दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। रविवार 11 जनवरी - 2026 ● वर्ष : 11 अंक : 23 पेज - 08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

विश्व पुस्तक मेले का हुआ शुभारंभ

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया उद्घाटन, इस बार मेले में फ्री एंट्री

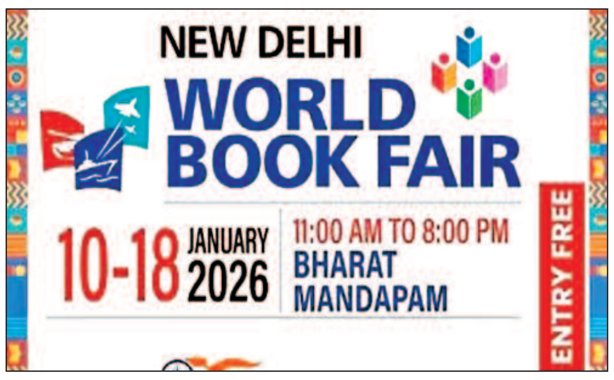

नई दिल्ली। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का शनिवार को भारत मंडपम में शुभारंभ हुआ। इस वर्ष मेले की थीम 'भारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और ज्ञान @75' है और इसमें 35 से अधिक देशों के प्रकाशक हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित इस वार्षिक पुस्तक मेले का उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया। उनके साथ स्पेन के संस्कृति मंत्री अर्नेस्ट उर्टासन और कतर के संस्कृति मंत्री शेख अब्दुल रहमान बिन हमद बिन जासीम बिन हमद अल थानी भी मौजूद थे।

यह मेला पहली बार सभी के लिए निःशुल्क है। यह भारतीय थल सेना, नौसेना और वायु सेना की वीरता और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका का सम्मान कर रहा है। थीम पवेलियन में 500 से अधिक पुस्तकें, प्रदर्शनियां और वृत्तचित्र शामिल हैं, जो देहरादून की भारतीय सैन्य अकादमी से प्रेरित हैं।

पवेलियन की मुख्य विशेषताएं : पवेलियन में अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियां, 21 परमवीर चक्र विजेताओं को श्रद्धांजलि, और प्रमुख सैन्य अभियानों पर सत्र होंगे। वंदे मातरम के 150 वर्ष और सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर भी प्रदर्शनियां लगेंगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मेले की थीम राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक साहस और ज्ञान के मूल्यों को दशार्ती है। उन्होंने कहा, यह प्रदर्शनी देश के सैनिकों को समर्पित है। यह नौ दिवसीय पुस्तक मेला 10 से 18 जनवरी तक चलेगा। इसमें 35 से अधिक देशों के 1000 से अधिक प्रकाशक शामिल होंगे। लगभग 1000 वक्ताओं के साथ 600 साहित्यिक गतिविधियां होंगी और दो मिलियन से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है। प्रधान ने मेले को चचाओं और रचनात्मकता का उत्सव बताया।

शिक्षा मंत्री ने मेले को भारत की साहित्यिक जागरूकता का उदाहरण बताया। 3000 से अधिक स्टालों, 1000 से अधिक प्रकाशकों और 600 से अधिक कार्यक्रमों के साथ, यह विचारों का जमावड़ा है। भारत पुस्तक प्रकाशन में तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है, जो हमारी ज्ञान प्रणाली और सांस्कृतिक विविधता को दशार्ता है। इस वर्ष के मेले में पियूष मिश्रा, स्मृति ईरानी, हेमा मालिनी, कैलाश सत्यार्थी, रिकी केज, जया किशोरी, दुर्जोय दत्ता, शालिनी पासी और शुभंशु शुक्ला जैसे कई गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। अतिथि देश कतर है, और फोकस देश स्पेन है।

स्पेन के संस्कृति मंत्री अर्नेस्ट उटार्सून डोमेनेच ने कहा कि सहयोग भारत-स्पेन द्विवार्षिक का हिस्सा है। उन्होंने कानून के शासन, ग्रह की स्थिरता और बहुपक्षवाद के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, किताबें बोलती हैं जब लोग बोल नहीं सकते। मेले में रूस, जापान, पोलैंड, फ्रांस, अबू धाबी, ईरान, कजाकिस्तान, हंगरी और चिली सहित 35 से अधिक देशों के प्रकाशक और लेखक भाग ले रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पवेलियन में पुस्तक विमोचन, कविता संध्या, सांस्कृतिक प्रदर्शन और एआई, गेमिंग, प्रवासन जैसे विषयों पर चचाएं होंगी। 10 अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों के निदेशक भी

शेष, पृष्ठ 2

राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश

पुलिस ने कश्मीरी अबू अहमद शेख को पकड़ा

अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर परिसर में शनिवार को एक सनसनीखेज मामला सामने आया। यहां एक अधेड़ राम मंदिर के दक्षिणी परकोटे के पास नमाज पढ़ने की कोशिश कर रहा था।

हालांकि, वह अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सका। युवक को रोकने का प्रयास किया गया तो वह संप्रदाय विशेष के नारे लगाने लगा। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे दबोच लिया। इसके बाद थाना रामजन्मभूमि पुलिस के हवाले कर दिया। थाने में पुलिस और खुफिया एजेंसियां युवक से पूछताछ कर रही हैं। उसकी पहचान कश्मीर को शोपिया निवासी अबू अहमद शेख (55) के रूप में हुई है। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने घटना की पुष्टि की।

वहीं, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि अधेड़ से पूछताछ की जा रही है। साथ ही वह कहां से और कैसे राम मंदिर में पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है।

ईरान में भड़का सरकार विरोधी देशव्यापी प्रदर्शन

महंगाई से शुरू आंदोलन, विद्रोह में हुआ तब्दील

तेहरान। ईरान में पिछले कई दिनों से सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। देशभर में फैला यह आंदोलन हाल के वर्षों में इस्लामिक शासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। महंगाई से शुरू हुआ गुस्सा अब सीधे सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और पूरे शासन तंत्र के खिलाफ नारेबाजी में बदल चुका है।

सरकार ने हालात काबू में करने के लिए इंटरनेट और फोन सेवाएं फिलहाल बंद कर दी हैं, जिससे ईरान लगभग बाहरी दुनिया से कट गया है। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक, अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों को हिरासत में लिया गया है।

इन प्रदर्शनों की शुरूआत 28 दिसंबर को रियाल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद तेहरान के बाजारों से हुई, जहां व्यापारियों ने आसमान छूती महंगाई के खिलाफ दुकानें बंद कर प्रदर्शन शुरू किया। हालात तब और बिगड़े जब खाने के तेल, चिकन जैसी जरूरी चीजों की कीमतें रातोंरात बढ़ गईं और कई सामान बाजार से गायब हो गए। सरकार द्वारा सस्ती डॉलर व्यवस्था खत्म करने के फैसले ने आग में घी डालने का काम किया। अब तक ये प्रदर्शन सभी 31 प्रांतों में फैल चुका हैं। मानवाधिकार संगठन के मुताबिक, कम से कम 62 प्रदर्शनकारी मारे गए, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं।

यह आंदोलन 2022 के ह्यवूमन, लाइफ, फ्रीडमह्व आंदोलन के बाद सबसे बड़ा माना जा रहा है। अब तक 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन हो चुके हैं। पश्चिमी ईरान के कुर्द बहुल इलाकों में हालात सबसे ज्यादा तनावपूर्ण हैं। प्रदर्शनकारियों के नारे अब सीधे सत्ता के केंद्र पर हैं- 'खामेनेई मुदार्बाद', 'तानाशाह का नाश हो' और रजा पहलवी के नेतृत्व में राजशाही की वापसी जैसे नारे तेहरान, मशहद और अन्य प्रमुख शहरों में खुलेआम लगाए जा

शेष, पृष्ठ 7

डॉ. सोनू पाठक ने बढ़ाया फ्रांस में गाजियाबाद का मान

पोस्ट डॉक्टरेट की मानद उपाधि से किए गए भव्य समारोह में सम्मानित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वैसे तो सभी व्यक्ति समाज के अलग अलग क्षेत्रों में काम करते हैं। लेकिन कुछ शख्सयित ऐसी होती हैं जो ऐसे काम करते हैं जिनसे पूरे शहर का नाम रोशन होता है। शख्सयितों की बात करें तो गाजियाबाद के प्रतिष्ठित कारोबारी और समाजसेवी सोनू पाठक अब डॉ सोनू पाठक की पहचान लिए हुए हैं। हालांकि उन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि पहले भी मिली है। लेकिन फ्रांस की यूनिवर्सिटी ने गाजियाबाद के समाजसेवी सोनू पाठक को उनकी निरंतर प्रभावशाली और जनकल्याणकारी भूमिका के लिए यह सम्मान दिया तो निश्चित रूप से ये पूरे गाजियाबाद का सम्मान हुआ। सोनू पाठक शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हैं वो समाज सेवा के कार्यों में सबसे आगे रहते हैं और वो कई सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। बड़ी बात ये है कि एक मजबूत प्रोफाईल वो अपने साथ लिए हुए हैं और यहां उनका लोकप्रिय व्यवहार उनकी विनम्रता और उनका सहयोगात्मक रवैया समाज में लोगों के दिल को जीतता है। एक ऐसी पहचान रखते हैं जहां लोग उनके नाम का सम्मान करते हैं और सबसे बड़ी बात ये है कि डॉ सोनू पाठक हमेशा सामने वाले का सम्मान रखते हैं। आज जब लोग थोड़ी सी उपलब्धि पर ही लहजा बदलने लगते हैं। तब ऐसे समय में सोनू पाठक को जो लोग जानते हैं वो इस बात को भी जानते हैं कि सरल स्वभाव के धनी सोनू पाठक कभी भी अपने लहजे को असभ्य नहीं होने देते। सभी से मुस्कुराकर बात करते हैं। सम्मान देना उनके संस्कारों, उनके व्यक्तित्व का अंग हैं।

जब फ्रांस की यूनिवर्सिटी ने दिल्ली में सोनू पाठक को पोस्ट डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा तो सम्मान के साथ-साथ समर्थकों में, मित्रों में, शुभचिंतकों में एक खुशी की लहर दौड़ गई। क्योंकि यह सम्मान एक व्यक्ति का नहीं बल्कि एक व्यक्तित्व का हुआ।

भव्य कार्यक्रम में जब सोनू पाठक को मिला पोस्ट डॉक्टरेट की उपाधि का सम्मान

करंट क्राइम। फ्रांस की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी École Supérieure Robert de Sorbon ने शनिवार को दिल्ली में एक भव्य सम्मान समारोह में डॉ सोनू पाठक को पास्ट डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। दिल्ली में आयोजित इस समारोह में देश विदेश से आये एजूकेशन एक्सपर्ट, बुद्धिजीवियों और विशिष्ठ अतिथियों की मौजूदगी में सोनू पाठक को यूनिवर्सिटी की ओर से यूनिवर्सिटी की अध्यक्ष डॉ जेएन थॉमस प्रेड की अध्यक्षता में यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन फ्रांस की यूनिवर्सिटी के महासचिव क्लारेन्स डे ला फैइड द्वारा किया गया। अन्तराष्ट्रीय स्तर का यह सम्मान निश्चित रूप से एक उपलब्धि है। पोस्ट डॉक्टरेट की यह उपाधि चुनिंदा लोगों को प्रदान की जाती है। जिस समय डॉ सोनू पाठक को दिल्ली में यह डॉक्टरेट की उपाधि दी गई। उस समय उस कार्यक्रम में शिक्षा, सामाजिक क्षेत्र और देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े हुए गणमान्य लोग मौजूद थे। अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्था द्वारा मिला यह सम्मान सभी को अभिभूत कर रहा है।

सामाजिक और नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पण को समर्पित हैं यह उपाधि : सोनू पाठक

करंट क्राइम। फांस की यूनिवर्सिटी द्वारा पोस्ट डॉक्टरेट की मानद उपाधि से विभूषित डॉ सोनू पाठक ने करंट क्राइम से बातचीत में कहा कि यह उपाधि वास्तव में सामाजिक और नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पण को समर्पित हैं यह सामाजिक और नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पण को समर्पित उपाधि है। उन्होंने कहा कि मैं इस सम्मान से अभिभूत हूं और मुझे इस बात से यह भी प्रेरणा मिली है कि हमें हमेशा समाज निर्माण में अपना योगदान देना है। हम देश के सकारात्मक विकास के लिए सदैव सतत प्रयास करेंगे। समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण और उनके उत्थान का विषय हमारी प्रथम प्राथमिकता होगा। उन्होंने कहा कि समाज सेवा और मानव सेवा एक दूसरे के पहलू हैं। परोपकार की भावना मन में रखकर अगर हम काम करेंगे तो फिर हम एक तरह से राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देंगे। डॉ सोनू पाठक ने कहा कि पोस्ट डॉक्टरेट की यह मानद उपाधि मैं अपने नैतिक मूल्यों को समर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि समाज सेवा का अभियान जारी रहेगा और हमेशा इस बात का ये प्रयास रहेगा कि हम सकारात्मक रूप से ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें सभी व्यक्तियों में राष्ट्र के प्रति प्रेम हो और एक दूसरे की मदद के लिए सब तैयार रहें।

आज बर्थडे की बधाई के साथ मनेगा उपाधि का भी जश्न

करंट क्राइम। शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में डॉ सोनू पाठक को फ्रांस की यूनिवर्सिटी द्वारा पोस्ट डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। ये एक संयोग है कि शनिवार को उन्हें दिल्ली में सम्मानित किया और रविवार यानी आज उनका जन्मदिन है। डॉ सोनू पाठक के लिए आज डबल बधाई स्वीकार करने का दिन है। उनके समर्थक, शुभ चिंतक और समाज के गणमान्य लोग उनकी इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं और बधाई दे रहे हैं। आज जन्मदिन पर लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य और यशस्वी जीवन की कामनाओं का भी बधाई सैलाब है। आज डॉ सोनू पाठक को डबल बधाई देने का दिन है।

यूपी गेट पर सांसद चंद्रशेखर आजाद और पुलिसकर्मियों में हुई नोकझोंक

बोले– मुझे जनता ने चुना है, रोकने की कोशिश मत करो, फिर बाइक से मेरठ पहुंचे

- पुलिस के अधिकारी बचते हुए आए नजर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : दलित महिला की हत्या और बेटी के अपहरण मामले को लेकर मेरठ जाने के दौरान शनिवार को यूपी गेट पर सांसद चंद्रशेखर आजाद और पुलिसकर्मियों के बीच नोकझोंक की स्थिति बन गई।

पुलिस ने काफिले को रोकने की कोशिश की तो सांसद ने आपत्ति जताते हुए कहा– मुझे जनता ने चुना है, रास्ता रोककर राजनीति मत करो। विवाद बढ़ने पर समर्थकों और पुलिस के बीच तनाव के हालात बन गए।

पुलिस ने गाड़ी रोकी, सांसद पैदल आगे बढ़े

करंट क्राइम : पुलिस सूत्रों के मुताबिक गाजियाबाद से गुजरते समय पुलिस ने चंद्रशेखर की गाड़ी को रोक दिया। इस पर समर्थकों और पुलिस अधिकारियों के बीच बहस हुई। पुलिस के समझाने के बावजूद चंद्रशेखर पैदल चलकर आगे बढ़ गए। कुछ देर बाद उन्होंने एक राहगीर की मोटरसाइकिल ली और पुलिस को चकमा देते हुए मेरठ की ओर निकल पड़े। इस दौरान एसीपी इंदिरापुरम, एसएचओ खोड़ा, इंदिरापुरम सहित बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही। मेरठ की सीमा पर काशी टोल प्लाजा पर पहले से मौजूद पुलिस बल ने उन्हें दोबारा रोक लिया। यहां करीब आधे घंटे तक बातचीत चली। पुलिस ने तर्क दिया कि कपसाड़ गांव में हालात तनावपूर्ण हैं, ऐसे में किसी भी राजनीतिक प्रतिनिधि को जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

कपसाड़ गांव में छावनी जैसी स्थिति

करंट क्राइम : दलित महिला की हत्या और बेटी के कथित अपहरण के बाद गांव में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बैरिकेडिंग की गई है और अतिरिक्त फोर्स तैनात है। प्रशासन हालात सामान्य बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। मामला राजनीतिक रूप से गर्मा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद मामला राजनीतिक रूप से और तेज हो गया है। दलित संगठनों और विपक्षी दलों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को न्याय की मांग की है।

इंदौर में स्वच्छ पानी के लिए आवंटित किए गए 2450 करोड़ रुपये, फिर भी दूषित पानी से हुईं 20 मौतें

भोपाल। मध्य प्रदेश का इंदौर शहर, जो लगातार कई वर्षों से भारत का सबसे स्वच्छ शहर चुना जाता रहा है, अब एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है। भागीरथपुरा और आसपास के इलाकों में नगर निगम की पाइपलाइनों से मिले दूषित पेयजल के कारण कम से कम 20 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3,200 से अधिक लोग बीमार पड़ गए हैं।

यह संकट दिसंबर 2025 के अंत से शुरू हुआ और जनवरी 2026 में चरम पर पहुंच गया, जहां उल्टी-दस्त, डायरिया और गंभीर डिहाइड्रेशन जैसी बीमारियां फैलीं। कई मरीज अभी भी आईसीयू में जीवन-मरण की स्थिति में हैं।

प्रभावित क्षेत्र में दहशत और राहत कार्य

29 दिसंबर 2025 से ही भागीरथपुरा में अफरा-तफरी मची हुई है। नगर निगम के वाहन लगातार घोषणा कर रहे हैं कि पानी उबालकर और छानकर पिएं। टैंकरों से साफ पानी की आपूर्ति हो रही है, राशन किट बांटी जा रही हैं, और

नालियों की मरम्मत का काम चल रहा है। लेकिन इससे सड़कें खोदने के कारण यातायात और छोटे व्यवसाय प्रभावित हैं। लोग अब बोरवेल और आरओ पानी को भी उबालने पर मजबूर हैं।

जनता और संगठनों की मांगें, कानूनी कार्रवाई

जन स्वास्थ्य अभियान इंडिया ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल करार दिया है और प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। मांग है कि स्रोत से वितरण तक पूरी व्यवस्था सुधारी जाए।

भागीरथपुरा निवासी रामू सिंह ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की याचिका दायर की है। याचिका में पिछले दो साल से दूषित पानी की शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई न करने का आरोप है। मांग है कि जांच पूरी होने तक अफसरों को हटाया जाए।

भारी निवेश के बावजूद विफलता

पिछले पांच वर्षों में इंदौर नगर निगम ने जल आपूर्ति और स्वच्छता पर भारी खर्च किया है। नगर निगम का वार्षिक बजट का 25-30% हिस्सा इसी क्षेत्र पर जाता है :
2021-22 में जल-संबंधी खर्च : 1,680 करोड़ रुपये, 2025-26 में प्रस्तावित : 2,450 करोड़ रुपये
इसके अलावा, कुल नगर निगम बजट 5,135 करोड़ से बढ़कर 8,200 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। अमृत योजना, स्मार्ट सिटी मिशन और एशियाई विकास बैंक जैसी परियोजनाओं के तहत भी हजारों करोड़ का निवेश हुआ, ताकि 24 घंटे सुरक्षित पानी उपलब्ध हो सके।

फिर भी, सीवेज लीकेज, पुरानी पाइपलाइनों में दरार और निगरानी की कमी के कारण दूषित पानी हजारों घरों तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि पुलिस चौकी के पास बने टॉयलेट से निकलने वाला गंदा पानी मुख्य पाइपलाइन में मिल गया, जिससे बैक्टीरिया फैले।

भारतीय रेलवे ने दिया नए साल का तोहफा 122 नई ट्रेनें शुरू; सैकड़ों ट्रेनों की बढ़ाई स्पीड

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने लोगों को नए साल का तोहफा दिया है। रेलवे ने इस साल 2026 में 122 नई ट्रेनों की शुरूआत की है। इसके साथ ही 569 ट्रेनें ऐसी हैं, जिनकी रफ्तार को पहले की तुलना में बढ़ा दिया है।

रेलवे ने साल 2026 का टाइम टेबल जारी कर दिया है। इस साल से 26 अमृत ट्रेनों की शुरूआत होने वाली है। साथ ही ट्रेनों की स्पीड बढ़ने से लोगों के समय की भी बचत होगी।

रेलवे ने शुरू की नई ट्रेनें

भारतीय रेलवे इस साल से 122 नई ट्रेनों की शुरूआत करने जा रहा है। इन ट्रेनों में लोगों के कंफर्ट से लेकर ट्रेनों की स्पीड पर भी फोकस रखा गया है।

रेलवे इस साल से 28 नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत करने जा रहा है। ये ट्रेनें सेमी-हाई-स्पीड कनेक्टिविटी को मजबूत करने का काम करेंगी। लोगों के सफर को बेहतर और आरामदायक बनाने के लिए 26 अमृत ट्रेनों की शुरूआत भी हो रही है।

भारतीय रेलवे इस साल से 60 मेल या एक्सप्रेस ट्रेन भी शुरू कर रहा है। इसमें 2 राजधानी, 2 जन शताब्दी, 2 हमसफर और 2 नमो भारत रैपिड रेल शामिल हैं।

पूर्व मध्य रेलवे- भारतीय रेलवे इस जोन में सबसे ज्यादा 20 नई ट्रेनें चला रहा है। साथ ही 20 ट्रेनों का विस्तार किया गया है।

उत्तर रेलवे- उत्तर रेलवे को 20 नई ट्रेनों की सौगात दी गई है। इससे उत्तर भारत की कनेक्टिविटी को और मजबूती किया जा रहा है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे- भारतीय रेलवे ने ट्रेनों गति बढ़ाने का काम इस जोन में सबसे ज्यादा किया है। यहां 117 ट्रेनों की स्पीड बढ़ाई गई है, इनमें से 8 ट्रेनों को सुपरफास्ट का दर्जा मिल गया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे- भारतीय रेलवे ने इस जोन की 89 ट्रेनों की स्पीड बढ़ा दी है।

उत्तर पूर्व सीमांत रेलवे- उत्तर पूर्व सीमांत रेलवे ने 10 नई ट्रेनों की शुरूआत की है और 36 ट्रेनों की स्पीड बढ़ाई है।

इंश्योरेंस कंपनी के एजेंट के कार्यालय से दो लाख रुपए चोरी का खुलासा

मोदीनगर, करंट क्राइम। करीब दस दिन पहले राज चौराहे के निकट इंश्योरेंस कंपनी के एक एजेंट के कार्यालय से दो लाख रुपएं चोरी किये जाने के मामले का पुलिस ने पटापेक्ष कर आरोपी दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की कुछ नकदी भी बरामद की है।

पुलिस ने शनिवार को इस मामले का खुलासा करते हुये हापुड़ निवासी अरशद व फैसल को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कुल 70 हजार रुपये मिले थे, आरोपियों से पुलिस ने 20 हजार की नकदी व एक पुरानी बाइक भी बरामद की गई है। पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है।

मनरेगा में बदलाव के विरोध में कांग्रेसियों का जिला कलेक्ट्रेट पर एक दिवसीय अनशन

- 29 जनवरी तक ग्राम पंचायतों में जन-जागरूकता बैठकें

गौतम बुद्ध नगर, करंट क्राइम। जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर द्वारा आज ह्लमनरेगा बचाओ संग्रामह्व को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय ग्रेटर नोएडा वेस्ट पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और ग्राम रोजगार गारंटी कानून को लगातार कमजोर किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि मनरेगा देश के करोड़ों ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और किसानों के लिए रोजगार, सम्मान और जीवन-यापन का मजबूत सहारा है। लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण मनरेगा का बजट लगातार घटाया जा रहा है, मजदूरी का समय पर भुगतान नहीं हो रहा, जॉब कार्ड निरस्त किए जा रहे हैं और काम की मांग के बावजूद रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। यह सीधे-सीधे संविधान और कानून की भावना के खिलाफ है।

कांग्रेस नेताओं ने बताया कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं बल्कि एक कानूनी अधिकार है, जिसे भाजपा सरकार योजनाबद्ध तरीके से समाप्त करने की दिशा में काम कर रही है। ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून की मूल भावनाह्लकाम की मांग पर कामह्व को पूरी तरह कुचला जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा संकट पैदा हो रहा है। प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के अंतर्गत आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा मीडिया के सामने रखी। बताया गया कि कल जिला कलेक्ट्रेट गौतमबुद्ध नगर पर एक दिवसीय शांतिपूर्ण अनशन किया जाएगा, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ता, मजदूर, किसान व आम नागरिक भाग लेंगे। इसके साथ ही 12 से 29 जनवरी तक जिले की अधिकतर ग्राम पंचायतों में ह्लमनरेगा बचाओ संग्रामह्व के तहत बैठकें आयोजित की जाएगी, जिनमें ग्रामीणों व मनरेगा के लाभार्थियों को उनके अधिकारों की जानकारी दी जाएगी और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जन-जागरूकता फैलाई जाएगी। प्रेस वार्ता में जिला उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष रिजवान चौधरी, जिला उपाध्यक्ष निशा शर्मा, धर्म सिंह बाल्मीकि, सतीश शर्मा, महाराज सिंह नागर, श्रुति कुमारी, अरुण भाटी, रमा नैय्यर, आर० के० प्रथम, हरिंदर शर्मा, रूबी चौहान, अमित कुमार, सुबोध भट्ट, रमेश यादव, बिन्नू भाटी, रमेश बाल्मीकि आदि कांग्रेस कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

रेल अधिकारी अब नहीं पहनेंगे अंग्रेजों के जमाने का काला कोट, सरकार ने लिया बड़ा फैसला

रेलवे को तकनीक, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को खुले मन से अपनाकर पिछले सौ वर्षों की कमी को दूर करना होगा।
-रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे कर्मचारियों और अधिकारियों से औपनिवेशिक सोच को पूरी तरह पीछे छोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि अंग्रेजों के जमाने का बंद गले का काला शूट अब रेलवे का औपचारिक पोशाक नहीं रहेगा। यह पहनावा अंग्रेजों ने शुरू किया था और अब आज से इसे समाप्त किया जा रहा है।

यह ड्रेस अब तक निरीक्षण, परेड, विशेष अवसरों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पहनी जाती थी। हालांकि ग्रुप-डी, ट्रैकमैन एवं तकनीकी स्टाफ पर यह लागू नहीं थी।

रेलमंत्री शुक्रवार को दिल्ली में आयोजित 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान विशिष्ट कार्यों के लिए रेलवे के सौ अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया। रेलमंत्री ने कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता को खोज-खोजकर पूरी तरह हटाना होगा। चाहे वह काम करने का तरीका हो या पहनावा।

उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों और समाधानों पर भरोसा बढ़ाना होगा। गलतियों से सीखकर आगे बढ़ना होगा और भारत में विकसित तकनीक को दुनिया तक पहुंचाना होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा कार्यबल, नवाचार एवं आत्मविश्वास के साथ भारतीय रेल 2047 तक विकसित भारत की यात्रा का मजबूत स्तंभ बनेगी। रेलमंत्री ने वर्ष 2026 के लिए रेलवे के छह बड़े संकल्प भी सामने रखे।

उन्होंने बताया कि 2026 में 52 हफ्ते, 52 सुधार के लक्ष्य के साथ सेवा, उत्पादन, निर्माण, अनुरक्षण और सुविधाओं सहित हर आयाम में बड़े सुधार किए जाएंगे। नवाचार और तकनीक पर विशेष जोर देते हुए रेलमंत्री ने कहा कि अब रेलवे को तकनीक, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को खुले मन से अपनाकर पिछले सौ वर्षों की कमी को दूर करना होगा। इसके लिए नई तकनीकी नीति बनाई जा रही है।

अगले वर्ष 12 नए इनोवेशन अवार्ड दिए जाएंगे, जिनमें सर्वश्रेष्ठ टीम को एक लाख रुपये और अन्य को 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा। यह पुरस्कार उन टीमों को दिए जाएंगे जिन्होंने रेलवे के लिए उपयोगी नवाचार किए हैं। स्टार्टअप्स और तकनीक लाने वालों को रेलवे से जोड़ने के लिए एक इनोवेशन पोर्टल भी जल्द लांच होगा। इस पोर्टल पर समस्याएं रखी जाएंगी और उनके समाधान देने वालों का चयन किया जाएगा।

चुने गए नवाचारों की तेजी से टेच्स्टग के लिए रैपिड मैकेनिज्म बनाया जाएगा। प्रोजेक्ट ट्रायल के लिए रेलवे लागत का 50 प्रतिशत तक वहन करेगा और 1.50 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। यदि तकनीक सफल रही तो अगले चार वर्षों तक सीरीज आर्डर भी दिए जाएंगे। अनुरक्षण और सुरक्षा को लेकर भी उन्होंने साफ कहा कि ट्रैक मेंटेनेंस को नए स्तर पर ले जाना होगा। इसके लिए कार्यप्रणाली में बदलाव जरूरी हैं।

सुरक्षा पर कठोर फोकस रहेगा और किसी भी तरह की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रशिक्षण और प्रतिभा विकास को भी प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि रेलवे का कार्यबल अधिक सक्षम बन सके।

मनरेगा में बदलाव के विरोध में कांग्रेस करेगी बड़े पैमाने पर आंदोलन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम(मनरेगा) का नाम बदलने को लेकर कांग्रेस बड़े पैमाने पर अभियान चलाने जा रही है । जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने शनिवार को प्रेस वार्ता में बताया कि मनरेगा योजना को वर्ष 2005 में यूपीए सरकार द्वारा लागू किया गया था। यह एक अधिकार आधारित कानून है जो प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मजदूरी रोजगार की मांग करने का वैधानिक अधिकार देतो है।

- प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष ने आंदोलन की रूपरेखा की दी जानकारी

इस कानून के तहत राज्य सरकार 15 दिन के भीतर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए वाध्य हैं अन्यथा रोजगारी भत्ता देना होता है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के कार्यकाल में शुरू की गई इस योजना से ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में बदलाव आया है। यह प्रतिवर्ष 5 से 6 करोड़ परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराता है। मजबूरी में होने वाले पलायन को कम करता है। ग्रामीण मजदूरी बढ़ता है।

उन्होंने कहा कि नया श्इ- ऋ्ष्अट- ऋअधिनियम इस पूरे ढांचे से एक मौलिक विचलन है। यह काम की वैधानिक गारंटी को समाप्त करता है। निर्णय प्रक्रिया का केंद्रीय कारण केंद्र सरकार के हाथों में करता है। ग्राम सभाओं और पंचायत को कमजोर करता है तथा केंद्र की मजदूरी अंशदान स्थान को लगभग 90% से घटकर 60% कर देता है जिससे वित्तीय भोज राज्य और श्रमिकों पर डाल दिया जाता है ।

महात्मा गांधी के नाम से को हटाया जाना भी श्रम की गरिमा और ग्राम स्वराज के उन मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास दशार्ता है जिन पर मनरेगा आधारित है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति ने 27 दिसंबर 2025 को हुई अपनी बैठक में सर्वसम्मति से मनरेगा बचाव संग्राम नामक एक राष्ट्रीय व्यापी आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया है ताकि काम के अधिकार की रक्षा की जा सके और मनरेगा को उसके मूल्य अधिकार-आधारित स्वरूप में बाहर किया जा सके।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी अभियान के प्रत्येक चरण में व्यापक प्रचार प्रसार और मीडिया संपर्क एवं जनसंपर्क सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण आजीविका रोजगार अधिकार और पंचायती राज का कार्य कर रहे नागरिक सामाजिक संगठन ट्रेड यूनियनों और सामाजिक समूह के साथ संबंध में हेतु पर्याप्त व्यवस्थाएं की जाएगी ताकि अभियान के लिए व्यापक जनसंपर्क हो सके। प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा सुरेंद्र शर्मा बबलू आशुतोष गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार शर्मा सुरेंद्र कुमार शर्मा राजेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मनरेगा को बदलने के विरोध में कांग्रेस के आंदोलन की रूपरेखा

- 11 जनवरी 2026 को एक दिवसीय उपवास एवं प्रतीकात्मक विरोध किया जाएगा
- 12 जनवरी से 29 जनवरी 2026 तक पंचायत स्तर पर जनसंपर्क गाजियाबाद जिले में किया जाएगा
- 30 जनवरी 2026 वार्ड स्तर पर शहर गाजियाबाद में शांतिपूर्वक धरना दिया जाएगा
- 31 जनवरी से 6 फरवरी 2026 गाजियाबाद जिला स्तरीय मनरेगा बचाव धरना
- 7 फरवरी से 15 फरवरी 2026 राज्य स्तर विधानसभा घेराव लखनऊ में किया जाएगा
- 16 फरवरी से 25 फरवरी2026 गाजियाबाद क्षेत्रीय ऐआई सी सी सदस्यों के द्वारा रेलिया आयोजित होगी

मोदीनगर में अस्मिता खेलों वुमेंस नेशनल वेटलिफ्टिंग लीग का आगाज

मोदीनगर, करंट क्राइम। चार दिवसीय अस्मिता खेलों इंडिया वुमेंस नेशनल वेटलिफ्टिंग लीग का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर काजमपुर गेट के पास स्थित एक बैंक्वेटहॉल में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के 23 राज्यों की 270 बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन ओलंपिक पदक विजेता व पद्मश्री मीराबाई चानू, मोदीनगर विधायक डॉ0 मंजू शिवाच, नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली, भाजपा नेता डॉ0 पवन सिंघल व द्रोणाचार्य अवार्डी कोच विजय शर्मा ने सयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उत्तर प्रदेश वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन की अध्यक्ष सबीना यादव व कोच विजय शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता चार दिनों तक चलेगी। मुख्य अतिथि मीराबाई चानू ने विजेता खिलाड़ियों को पदक और पुरस्कार राशि के चेक देकर सम्मानित किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय शुक्ला के नेतृत्व में मतदाता पुनरीक्षण अभियान तेज, बड़ी संख्या में भरे जा रहे फॉर्म-6

साहिबाबाद (करंट क्राइम) । भारतीय जनता पार्टी इंदिरापुरम के पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय शुक्ला के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उनके कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए प्रयासों के तहत, क्षेत्र के लोग बढ़-चढ़कर फॉर्म-6 भरकर अपना नया वोट बनवा रहे हैं।

कार्यकर्ताओं ने संभाली कमान : अजय शुक्ला की देखरेख में पार्टी के समर्पित कार्यकताओं की टीम घर घर में लोगों को मतदान के प्रति जागरूक कर रही है। इस अभियान में मुख्य रूप से उमा शंकर तोमर, संजीव शर्मा और आशीष पांडेय सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी पात्र नागरिक, विशेषकर युवा जो पहली बार मतदाता बनेंगे, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

महिला शक्ति की भी दिखी सक्रियता : इस अभियान की खास बात महिलाओं की भारी भागीदारी है। बबीता दीक्षित, मंजू सिंह, पूनम बंसल और अपर्णा मिश्रा जैसी महिला नेत्रियों ने मोर्चा संभालते हुए महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में महिलाओं ने नए मतदाता पहचान पत्र के लिए आवेदन किया है।

युवाओं और स्थानीय निवासियों में उत्साह : टीम के सक्रिय सदस्य किशोर ठाकुर ने बताया कि अभियान को लेकर जनता में काफी उत्साह है। पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय शुक्ला के कुशल समन्वय के कारण लोग आसानी से फॉर्म-6 भरकर प्रक्रिया को पूरा कर रहे हैं। अजय शुक्ला ने इस अवसर पर कहा कि एक सशक्त लोकतंत्र के लिए हर व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में होना अनिवार्य है, और उनकी टीम अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का प्रयास कर रही है।

कॉमन सर्विस सेंटर संचालकों पर सख्त रुख, 160 सीएससी केंद्रों को तत्काल प्रभाव से बंद किये

मोदीनगर, करंट क्राइम। जिला प्रशासन व आईटी मंत्रालय ने कॉमन सर्विस सेंटर संचालकों पर सख्त रुख अपनाया है। अनियमिताओं के चलते तत्काल प्रभाव से जनपदभर के करीब 160 सीएससी केन्द्रों को बंद कर दिया गया है।

सीएससी के जिला समन्वयक अभिषेक कुमार ने बताया कि शनिवार को जनपद में मानक के अनुरूप कार्य नही करने वाले 160 केंद्रों को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है। इस कार्यवाही का मुख्य उद्देश्य आम नागरिक के साथ सरकारी योजनाओं के नाम पर होने वाली अवैध वसूली को रोकना व केंद्रों की स्पष्ट पहचान कराना है।

अभिषेक कुमार ने कहा कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और केवल वही केंद्र संचालित होंगे जो पारदर्शिता और नियमों का पालन करेंगे। इस कार्रवाही के बाद मोदीनगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अनियमिताओं के साथ संचालित सीएससी केन्द्रों के संचालकों में भी हड़गंप मच गया है।

वार्ड 21 में भाजपा नेता बिन्नू राम गौतम ने संभाली कमान

कैंप लगाकर बनवाए जा रहे नए वोट

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। आगामी चुनावों के मद्देनजर मतदाता सूची को अपडेट करने का कार्य जोरों पर है। इसी क्रम में भोवपुर के वार्ड संख्या 21 से भाजपा के पूर्व पार्षद प्रत्याशी बिन्नू राम गौतम के नेतृत्व में मतदाता पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष कैंपों का आयोजन किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में युवाओं और वंचित रह गए लोगों के फॉर्म-6 भरवाए गए। बिन्नू राम गौतम ने स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर लोगों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया।

हर पात्र व्यक्ति का नाम जुड़वाना लक्ष्य : बिन्नू राम गौतम ने कहा, लोकतंत्र में एक-एक वोट की कीमत है। हमारा उद्देश्य है कि वार्ड 21 का कोई भी पात्र नागरिक मतदान से वंचित न रहे।

इसके लिए हम जगह-जगह कैंप लगा रहे हैं ताकि लोगों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें और आसानी से उनका वोट बन सके। इस दौरान कार्यकताओं ने घर-घर जाकर भी लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि उन लोगों की पहचान की जा रही है जिनके नाम अब तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं। कैंप के माध्यम से बुजुर्गों और युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर सहायता प्रदान की जा रही है।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

सियासत और संस्कारों की विरासत को जिंदा रखने की एक पहचान है मयंक गोयल

स्वर्गीय माता की जन्म जयंती पर दिया एक मजबूत संदेश

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने साधन सम्पन्न होते हुए भी सरलता और सादगी को नहीं छोड़ा है। अपनी स्वर्गीय माता पूर्व मेयर दमयंती गोयल की जन्म जयंती पर उन्होंने उनकी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम के जरिए एक मजबूत संदेश पूरे समाज को दिया है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। किसी भी परिवार के बुजुर्ग उस परिवार की एक अमूल्य धरोहर होते हैं। शरीर तो नश्वर है लेकिन परिवार के बुजुर्गों की सीख, उनके द्वारा दिये गये संस्कार हमेशा के लिए अमर होते हैं। उनकी नसीहत उनका अनुशासन और अन्य बातें अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनती हैं। लेकिन ये तभी संभव है कि जब दिवंगत पीढ़ी द्वारा दिये गये संस्कारों को वर्तमान पीढ़ी अपने प्रयासों से अपने आचार से अपने व्यवहार से भावी पीढ़ी को संस्कारों के रूप में ट्रांसफर कर दे।

भाजपा के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के परिवार को शहर में कौन नहीं जानता। शहर या यूं कहें कि एनसीआर का एक सबसे प्रतिष्ठित परिवार है। एक ऐसा परिवार जिसके बुजुर्गों की अपनी एक सामाजिक प्रतिष्ठा है, एक पहचान है। एक ऐसा परिवार जिसके बच्चों को कंठस्त गीता याद है। रामायण के श्लोक याद हैं। एक ऐसा परिवार जिसके युवा पूरे समाज में अपने राष्ट्रवादी संस्कार के लिए एक पहचान रखते हैं। यही तो एक पीढ़ी की विरासत होती है और यही वो पूंजी है जिसे संभाल कर रखा जाना है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने वास्तव में एक बड़ी मिसाल पेश की है और ये दिखाया है कि किस तरह से राजनीतिक जीवन में भी शुचितापूर्ण आचरण के साथ जिया जा सकता है। किस तरह से अपने परिवार के सनातन , राष्ट्रवादी और परोपकारी संस्कारों को जिंदा रखा जाता है। अपनी माता स्वर्गीय दमयंती गोयल की जन्म जयंती पर भी उन्होंने श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा। अपनी माता स्वर्गीय दमयंती गोयल को याद किया। उन्हें पुष्प अर्पित किये। एक पुत्र के रूप में ये एक ऐसी अनुकरणीय पहल है और एक ऐसा आचरण है जिससे आज के युवाओं को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। मयंक गोयल वास्तव में एक ऐसे पुत्र हैं जो अपनी स्वर्गीय माता के संस्कारों को खुद में समावेशित किए हुए हैं। माता की जन्म जयंती पर उनको याद करना उनकी याद में कार्यक्रम आयोजित करना और इस कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोगों का रहना एक बड़ी उपलब्धि है। लोग दिवंगत हो जाते हैं लेकिन अगर उस परिवार की अगली पीढ़ी अपने परिवार के बुजुर्गों का आदर सम्मान करती हैं तो फिर ये बुजुर्ग दिवंगत होकर भी अमर हो जाते हैं। जब परिवार के लोग हर वर्ष उन्हें पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ स्मरण करते हैं तो फिर समाज भी उन्हें कभी नहीं भूलता। बड़ी बात ये है कि संस्कारों का ट्रांसफर ऐसे ही होता है और भावी पीढ़ी भी यहीं से इस बात को सीख लेती है कि हमारा कुल परिवार प्रतिष्ठित है और हमें अपने दिवंगत बुजुर्गों का भी मान सम्मान करना है। उन्होंने जो वृक्ष लगाया है हमें ही उसकी देखभाल करनी है। मयंक गोयल को देखें तो वो भी बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं और सबसे बड़ी बात ये है कि राजनीति के साथ साथ उन्होंने राष्ट्रवाद के संस्कारों को आगे बढ़ाया है। उन्होंने अपने दिवंगतों के प्रति आस्था और श्रृद्धा का भाव रखकर अपनी भावी पीढ़ी को भी सिखाया है कि हमें अपने मूल्यों, पैत्रक विरासत और पैत्रक संस्कारों को अपने भीतर जिंदा रखना है। वो युवा नेता हैं और इस समय महानगर अध्यक्ष हैं। उज्जवल राजनीतिक कैरियर है। लेकिन व्यस्त जिंदगी में से समय निकालना और फिर उस समय में पूरी आस्था के साथ अपनी स्वर्गीय माता को याद करना अपने आप में एक पुत्र को महान बनाता है। मयंक गोयल एक ऐसे नेता, ऐसे युवा जिन्होंने संस्कारों की ये दीक्षा बचपन में ही ग्रहण की है। यहां पर उन्हें अपने परिवार से भी ये संस्कार विरासत में मिले हैं।

आज के दौर में भाजपा के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने वास्तव में ना केवल युवा वर्ग के सामने अपितु पूरे समाज के समक्ष एक लंबी लाईन खींची है। जिन संदेशों को कोई शब्दों के माध्यम से नहीं दे सकता। उस संदेश को मयंक गोयल ने अपने कार्यक्रम के जरिए दिया है। युवाओं के सामने ये सीखने का समय है कि वो ये देखें और सीखें कि किस तरह से अपने परिवार के बुजुर्गों से जुड़ी यादों को सम्मानित किया जाता है।

किस तरह से अपनी कुल परम्परा का पालन किया जाता है। वास्तव में मयंक गोयल ने महानगर अध्यक्ष रहते हुए ये एक बड़ा संदेश दिया है। यहां पर सबसे बड़ी बात ये है कि मयंक गोयल ने साधन सम्पन्न होते हुए भी सरलता और सादगी को नहीं छोड़ा है। उन्होंने ये दिखाया है कि साधन सम्पन्न होने के बाद भी हम बेहद सरलता और सादगी के साथ अपने संस्कारों का पालन कर सकते हैं। अपनी स्वर्गीय माता पूर्व मेयर दमयंती गोयल की जन्म जयंती पर उन्होंने उनकी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम के जरिए एक मजबूत संदेश पूरे समाज को दिया है।

धुरंधर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग इस समय सियासत के धुरंधर अंदाज में हैं। वो लोकसभा में सवाल उठाते हैं और अपने लोकसभा क्षेत्र में वो कार्यकर्ताओं के नेता होते हैं। अपनों के बीच अपनों का अंदाज उन्हें लोकप्रिय बना रहा है। शनिवार को जब लोकसभा सांसद अतुल गर्ग आपूलेंट सिनेमा पहुंचे तो यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर धुरंधर फिल्म देखी। सांसद अतुल गर्ग को अपने बीच देखकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह नजर आया। जब सांसद अतुल गर्ग आपूलेंट मॉल पहुंचे तो यहां सिनेमा की ओर से राकेश मित्तल ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल मैदी वाले, हिंडन एयरपोर्ट सलाहकार समिति के सदस्य संजीव मित्तल साजू व्यापार प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष अनुज मित्तल, निगम पार्षद नीरज गोयल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नौकरी का झांसा देने वाले 'बंटी-बबली' गिरफ्तार

रेलवे व पोस्ट ऑफिस में नौकरी और रकम दौगुनी का देते थे लालच

अब तक 25 लाख रुपये की कर चुके हैं ठगी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : थाना सिहानी गेट पुलिस ने एक ऐसे ठगी गैंग का भंडाफोड़ किया है, जिसमें एक पुरुष और एक महिला मिलकर बंटी-बबली स्टाइल में लोगों को नौकरी और निवेश पर मोटा रिटर्न देने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करते थे। पुलिस ने इस गिरोह के राजन शाक्य निवासी कासगंज और उसकी साथी लक्ष्मी कुशवाहा निवासी सागर, मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में और भी शिकायतें होने की आशंका जताई जा रही है।

एसीपी नंदग्राम उपासना पांडे ने बताया कि पुलिस के पास एक व्यक्ति ने फोन कर अपहरण की शिकायत दी थी। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध लगा तो पुलिस टीम ने तेजी से जांच की।

पूछताछ और मोबाइल सर्विलांस के बाद स्पष्ट हुआ कि यह मामला अपहरण नहीं बल्कि धोखाधड़ी और लेनदेन विवाद का है। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की, जिसमें बड़ा ठगी नेटवर्क खुलकर सामने आया।

नौकरी और निवेश का तगड़ा सेटअप

करंट क्राइम : पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आया कि आरोपी जोड़ा खुद को ऐसे संपर्कों वाला बताता था, जो रेलवे, पोस्ट ऑफिस, सरकारी विभाग, एनजीओ और प्राइवेट सेक्टर्स में नौकरी लगवा सकता है। कई पीड़ितों को जॉइनिंग डेट, वेरिफिकेशन लैटर, डिपार्टमेंट का नाम, पद तक बता दिया जाता था ताकि भरोसा मजबूत हो। कुछ मामलों में दोनों ने लोगों को पैसे दोगुना करने का लालच दिया। निवेश लेने के बाद संपर्क बंद, फोन स्विच ऑफ और नंबर बदल देना इनका तय तरीका था। थाना सिहानी गेट के इंस्पेक्टर कुलदीप दीक्षित ने बताया कि पुलिस को अब तक जिन मामलों की पुष्टि मिली है, उनमें भट्ठा मालिक से नौकरी और संपर्क के बदले 4.50 लाख ठगे। तो वहीं एनजीओ से रकम दोगुनी करने के नाम पर 5 लाख, पोस्ट ऑफिस नौकरी के नाम पर 20,000, गौतम बुद्धनगर क्षेत्र में रेलवे नौकरी साढ़े पांच लाख रूपये, एक महिला के बेटे की सरकारी नौकरी का हवाला देकर 50,000, इसके अलावा आशंका है कि ठगी की ये रकम 25 लाख रुपये से अधिक हो सकती है।

फिल्मी अंदाज में भरोसा, फिर गायब

करंट क्राइम : पुलिस के अनुसार दोनों अपराधी बेहद सोचे-समझे तरीके से काम करते थे। पहले पीड़ित से व्यक्तिगत संपर्क और भरोसा बनाया जाता, फिर सरकारी विभागों से जुड़े नाम व प्रोसेस बताकर भ्रम पैदा किया जाता। रकम मिलते ही दोनों शहर छोड़ देते थे और संपर्क समाप्त कर देते थे। उधर पुलिस अब इनकी बैंकिंग डिटेल्स, मोबाइल डेटा, और सोशल संपर्कों की पड़ताल कर रही है। शुरूआती संकेतों से पता चला है कि दोनों आरोपी एक राज्य तक सीमित नहीं थे। पुलिस को उम्मीद है कि आगे और पीड़ित सामने आ सकते हैं। सिहानी गेट थाना पुलिस ने राजन व लक्ष्मी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस इनके अन्य साथियों, पुराने मामलों और पैसों की रिकवरी पर अलग से काम कर रही है।

रविन्द्र त्यागी ने केसी त्यागी को जेडीयू से निष्कासित करने की खबर पर दी अपनी प्रतिक्रिया

कहा, केसी त्यागी पद और दल की सीमाओं से ऊपर एक 'अजातशत्रु' व्यक्तित्व

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आज मैंने कई व्हाट्सएप ग्रुपों में यह पोस्ट पढ़ने को मिली कि के.सी. त्यागी को जेडीयू से निकाल दिया गया है। सबसे पहले तो मैं उन लोगों से यह सवाल करना चाहता हूँ – क्या के.सी. त्यागी अब इतने छोटे नेता हो गए हैं कि उन्हें किसी पार्टी से यूँ ही निकाल दिया जाएगा। कोई भी पार्टी ऐसे नेता को निकालने से पहले सौ बार सोचती है कि वह क्या खोने जा रही है।

अब मैं आप सभी के सामने कुछ बातें रखना चाहता हूँ। क्या आप सच में समझते हैं कि के.सी. त्यागी को यह नहीं पता कि उनके बयानों का उनके राजनीतिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा? क्या आपको लगता है कि वे इतने अनुभवहीन हैं कि बिना सोचे-समझे बयान देते हैं? कुछ दिन पहले उन्होंने स्वयं नीतीश कुमार से अनुरोध किया था कि वे अब पार्टी प्रवक्ता नहीं बनना चाहते, क्योंकि आजकल टीवी डिबेट का स्तर जगजाहिर है – वहाँ किस तरह के शब्दों का प्रयोग होता है और किस असभ्य तरीके से बहस होती है, यह सभी जानते हैं।

आज किसी भी पार्टी के प्रवक्ता में इतनी हिम्मत नहीं होती कि वह टीवी पर अपने मन की बात कह सके, यदि वह पार्टी की लाइन के विरुद्ध हो। मैं के.सी. त्यागी को उन साहसी और निर्भीक नेताओं में मानता हूँ जिन्होंने कभी भी अपने जमीर और अपनी विचारधारा पर पार्टी की विचारधारा को हावी नहीं होने दिया। इस देश में समय-समय पर ऐसे नेता हुए हैं जिन्होंने किसान और मजदूरों की आवाज उठाई, चाहे वह उनकी पार्टी की लाइन के विरुद्ध ही क्यों न रही हो।

चौधरी चरण सिंह जब कांग्रेस में थे, तब भी उन्होंने किसान की आवाज बुलंद की – भले ही वह कांग्रेस नेतृत्व को पसंद न आई। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए वही किया जो उन्हें सही लगा, भले ही उस समय के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी उनसे नाराज भी हुए। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने भी अपनी विचारधारा के अनुसार आवाज उठाई, चाहे वह कांग्रेस के विरुद्ध ही क्यों न रही हो।

आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कई बार वही कहते हैं जो उन्हें सही लगता है – भले ही पार्टी असहज हो जाए। के.सी. त्यागी की राजनीति की पाठशाला के गुरु लोकनायक जयप्रकाश नारायण थे। उसी पाठशाला से मुलायम सिंह, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, रामविलास पासवान, शरद यादव जैसे अनेक समाजवादी नेता निकले।

कई नेताओं ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए अपनी मूल विचारधारा से समझौता किया, लेकिन के.सी. त्यागी ने कभी नहीं किया। उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा था कि बाबू जयप्रकाश नारायण के समाजवादी आंदोलन के सच्चे उत्तराधिकारी और कुशल प्रशासक नेता नीतीश कुमार हैं और उन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए। यह उनकी निजी राय थी – और राय रखने का अधिकार हर नागरिक को है।

फिर भी जेडीयू के प्रवक्ता राजीव रंजन के बयान में कहीं यह नहीं कहा गया कि के.सी. त्यागी को पार्टी से निकाल दिया गया है। आज भी उन्हें पार्टी में पूरा सम्मान प्राप्त है। अगर पार्टी ऐसी गलती करती भी है तो वो एक एस नेता को खो देंगे जो पार्टी की राष्ट्रीय स्तर की राजनीति पर सही समय पर सही सलाह देते है और पूर्व में दिए गए सुझावो से पार्टी की मजबूती मिली है।

मैं एक प्रशंसक होने के नाते मैं के.सी. त्यागी जी से यही अनुरोध करता हूँ – आप आगे भी वही बोलते रहिए जो आपको सही लगता है। आप आज इन पार्टियों से बहुत ऊपर हैं। आपने अपने राजनीतिक जीवन में वह सम्मान कमाया है जो हर किसी को नसीब नहीं होता।

शराब के नशे में धुत दिल्ली पुलिस के एएसआई ने तीन वाहनों में मारी टक्कर

टक्कर लगने से 6 लोग बुरी तरह घायल, लोगों ने जमकर पीटा

मोदीनगर, करंट क्राइम। दिल्ली पुलिस में तैनात एएसआई ने शनिवार की सुबह शराब के नशे में धुत कार में सवार हो निवाड़ी रोड पर तीन वाहनों में जोरदार टक्कर मारते हुए एक युवती सहित छह लोगों को घायल कर दिया।

वाहनों को टक्कर मारने के बाद कार सड़क किनारे नाले की दीवार से टकरा गई। घटना के तुरंत बाद ही जुटी भीड़ ने दरोगा की जमकर धुनाई की, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में उसे व अन्य घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों ने दो को गंभीर हालत में मेरठ के लिए रैफर कर दिया। पुलिस ने घायल एएसआई को हिरासत में ले लिया है। घायल के भाई की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मेडिकल में शराब की पुष्टि हुई है। घायल मो. असलम के भाई आमिर ने थाने में शिकायत दी है।

एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी एएसआई को हिरासत में ले लिया है। उसके साथी की भी तलाश चल रही है।

फार्म-6 से बरकरार हैं भावी उम्मीदवारों की सियासी उम्मीदें

संगठन वाले चाहते हैं बढ़ जाये इसी के जरिए वोट बैंक का डाटा

गाजियाबाद करंट क्राइम। एसआईआर अभियान में उम्मीदों को झटका लगा है। दरअसल भाजपा सहित सभी सियासी दल ये मानकर चल रहे थे कि आम मतदाता इसमें रूचि लेंगे। वो बीएलओ को सहयोग करेंगे और वोटों की छंटनी आसान हो जायेगी। लेकिन सियासी दलों की उम्मीदों को झटका तब लगा जब आम मतदाता भी एसआईआर अभियान को लेकर उदासीन रहे और दूसरा सीन ये हो गया कि जिन आरडब्लूए और समाजिक संस्थाओं से ये अपेक्षा थी कि वो बीएलओ के साथ लगकर डोर टू डोर जायेंगे। वो भी इस अभियान से दूर रहे। यहां राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने जरूर जोर लगाये लेकिन वो भी क्या करते जब मतदाताओं के घर पर जाकर दिये गये फार्म ही लौटकर नहीं आये। नतीजा ये हुआ कि एक बड़ी संख्या में वोटर ही मतदाता सूची से गायब हो गये। यहां पर आंकड़ों के हिसाब से इसे एएसडी का नाम दिया गया लेकिन वोट तो गायब हो ही गए। वहीं दूसरी तरफ भाजपा समर्थकों ने इसको लेकर जिस तरीके से प्रचार किया उससे एक वर्ग विशेष के वोटर लामबंद हो गये। वो दूर दराज अपने पैत्रक स्थानों पर जाकर कागज ले आये और मतदाता सूची पर बने रहे। मामता गंभीर जब हुआ जब एसआईर को लेकर लखनऊ वाली बैठक में मुख्यमंत्री ने कई बार साहिबाबाद का नाम लिया। अब सियासी दलों के भावी उम्मीदवारों की उम्मीदों का सहारा फार्म 6 है। बड़े पैमाने पर इसे पार्षदों के सहयोग से भरवाया भी गया है। भाजपा से लेकर अन्य दल अब फार्म 6 को लेकर काफी उम्मीदें लगाये हुए हैं। सियासत के खिलाड़ियों की बात करें तो वार्ड से लेकर विधानसभा के भावी उम्मीदवार भी फार्म 6 से एक उम्मीद रखते हैं। अनुमान है कि फार्म 6 के जरिए लोकसभा में कई लाख वोट का इजाफा हो जायेगा। फार्म 6 अभियान के बाद ये पता चलेगा कि पहले वाले डाटा में वोटों का कितना घाटा हुआ है और फिर फार्म 6 वाले अभियान के बाद वोटों के बैंक में कितने वोटों का इजाफा हुआ है।

कार को बचाने में हुआ हादसा जज के बेटे की कार पलटी, गनीमत रही कोई घायल नहीं हुआ

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शनिवार सुबह विजय नगर थानाक्षेत्र में जल निगम कार्यालय के पास एक कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। कार वारणसी में तैनात एक न्यायिक अधिकारी के परिवार की बताई जा रही है, जो फिलहाल गाजियाबाद में रह रहा है। हादसे के वक्त वाहन जज का बेटा चला रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जज का बेटा गाड़ी लेकर कहीं जा रहा था, तभी सामने से आ रही एक कार को बचाने के प्रयास में वाहन सड़क के डिवाइडर के पास रखे पत्थरों से टकरा गया। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई। हादसे के दौरान कार के चारों पहिये हवा में उठते हुए नजर आए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई और कई लोग वीडियो व फोटो बनाने लगे। सूचना पर विजय नगर पुलिस और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। ट्रैफिक पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को हटवाकर यातायात सुचारू कराया। विजय नगर थानाध्यक्ष धर्मपाल ने बताया कि दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई है, यह मात्र वाहन क्षति का मामला है।

संपादकीय

वैश्विक व्यवस्था का विखंडन

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप कुछ मामलों में हमेशा स्पष्ट रहे हैं। उनके दृष्टिकोण में बहुपक्षीय मंच अमेरिका की संप्रभुता को कमजोर करते हैं और सीधे उनके मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के एजेंडे से टकराते हैं। इसी सोच के चलते उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से बाहर निकलने का निर्णय लिया, जिनमें से अनेक संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था के अंतर्गत आते हैं। अतीत में उनके प्रशासन ने अमेरिका को जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते जैसे ढांचों से बाहर निकाला है, संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय बकायों का भुगतान रोका है, और विश्व व्यापार संगठन को प्रभावी रूप से पंगु बना दिया है। लेकिन उनकी नवीनतम कार्रवाई इससे भी आगे बढ़ गई है।

गौर करने की बात है कि अमेरिका हमेशा से कई बहुपक्षीय मंचों में अपेक्षाकृत अनिच्छुक प्रतिभागी रहा है। अमेरिका की राजनीति में एक गहरी संयुक्त राष्ट्र-विरोधी प्रवृत्ति रही है, जिसमें ब्लैक हेलीकॉप्टरों के जरिये संयुक्त राष्ट्र की सेनाओं के असहाय ग्रामीण अमेरिकियों पर हमला करने की निराधार अफवाहें शामिल रही हैं। यह षड्यंत्रकारी दुनिया का एक स्थायी हिस्सा है जिसने ट्रंप के आंदोलन को जन्म दिया। इसके अलावा, मुख्यधारा के अमेरिकी राजनेता भी अंतरराष्ट्रीय न्यायालय जैसे संगठनों में शामिल होने में सतर्क रहे हैं, यह मानते हुए कि यह अमेरिका में असंवैधानिक होगा या उसकी संप्रभुता को छीन लेगा। इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो ट्रंप केवल अमेरिकी राजनीति की एक मौजूदा धारा को एक कदम आगे बढ़ा रहे हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने पेरिस समझौते में दोबारा प्रवेश तो किया, लेकिन उदाहरण के लिए, उन्होंने अपने पूर्ववर्ती द्वारा विश्व व्यापार संगठन को पहुंचाए गए नुकसान को ठीक करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

ऐसे में इस नवीनतम बदलाव का विश्लेषण केवल ट्रंप की विदेशियों के प्रति जाहिर नापसंदगी से अधिक गहराई में जाकर किया जाना चाहिए। इस सूची में कुछ संगठन ऐसे हो सकते हैं जिन्हें निष्क्रिय या अपेक्षाकृत निरर्थक माना जा सकता है, लेकिन अन्य निश्चित रूप से ऐसा नहीं हैं। उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा समझौता (यूएनएफसीसीसी) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु कार्रवाई में सहयोग के लिए एक बुनियाद की तरह है। इससे पूर्ण रूप से बाहर निकलना, साथ ही जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी समिति (आईपीसीसी) से भी, जो वैज्ञानिकों द्वारा देखे गए वैश्विक ऊष्मीकरण के वास्तविक प्रभावों पर सारांश रिपोर्ट तैयार करती है, उन वैश्विक प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका है, जिनका उद्देश्य औसत तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखना है। कुछ छोटे संगठन, उदाहरण के लिए महिला और बाल स्वास्थ्य पर काम करने वाले संगठन ट्रंप के इस निर्णय के परिणामस्वरूप पूरी तरह से वित्तीय सहायता से वंचित हो सकते हैं।

संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से होगा शुरू, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। भारत सरकार की सिफारिश पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वर्ष 2026 के बजट सत्र के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने की मंजूरी दे दी है। यह सत्र 28 जनवरी 2026 को शुरू होगा और 2 अप्रैल 2026 तक चलेगा। बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी 2026 को समाप्त होगा, और संसद 9 मार्च 2026 को फिर से एकत्रित होगी, जो सार्थक बहस और जन-केंद्रित शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वर्ष 2026 के संसदीय बजट सत्र के कार्यक्रम को औपचारिक मंजूरी दे दी है। सरकार की सिफारिश पर लिए गए इस निर्णय के अनुसार, संसद का आगामी बजट सत्र 28 जनवरी 2026 से शुरू होकर 2 अप्रैल 2026 तक चलेगा। यह सत्र देश के आगामी वित्तीय वर्ष (2026-27) के लिए आर्थिक खाका तैयार करने दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

बजट कब पेश होगा? : आम तौर पर हर वर्ष वित्त मंत्री 1 जनवरी को बजट पेश करतीं हैं। इस बार 1 फरवरी को रविवार है। इसलिए इस बार बजट कब पेश होगा? इसे लेकर अटकलें लग रही थीं। हालांकि, बजट सत्र के कार्यक्रम को देखकर यह तय माना जा रहा है कि इस बार भी बजट 1 फरवरी को ही पेश होगा। हालांकि माना जा रहा है संसदीय कार्यप्रणाली को सुव्यवस्थित रखने और सार्थक चर्चा सुनिश्चित करने के लिए इस बार के बजट सत्र को दो चरणों में विभाजित किया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार शेड्यूल इस प्रकार रहेगा-

पहला चरणः सत्र की शुरूआत 28 जनवरी 2026 को होगी। यह चरण लगभग दो सप्ताह तक चलेगा और 13 फरवरी 2026 को समाप्त होगा।

टैरिफ के खतरों के बीच शक्तिकांत दास ने आत्मनिर्भरता को बताया आर्थिक कवच

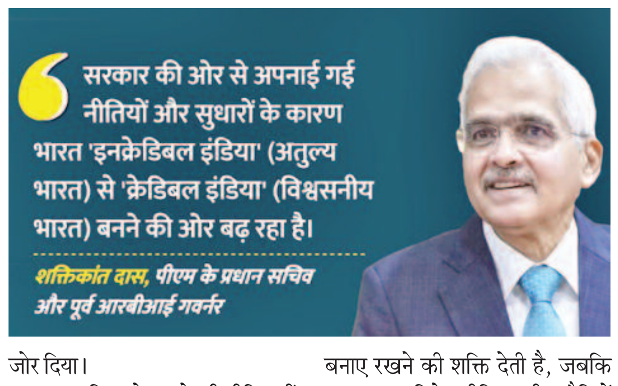

नई दिल्ली। वैश्विक व्यापार में बढ़ते संरक्षणवाद और टैरिफ के मंडराते खतरों के बीच, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि भारत अब एक ऐतिहासिक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। पहले बिबेक देबरॉय मेमोरियल लेक्चर को संबोधित करते हुए, दास ने जोर देकर कहा कि सरकार की ओर से अपनाई गई नीतियों और सुधारों के कारण भारत 'इनक्रेडिबल इंडिया' (अतुल्य भारत) से 'क्रेडिबल इंडिया' (विश्वसनीय भारत) बनने की यात्रा पर अग्रसर है।

आत्मनिर्भरता का देश के लिए क्या मतलब? : शक्तिकांत दास ने स्पष्ट किया कि पिछले दशकों में वैश्वीकरण को चलाने वाली आम सहमति अब कमजोर पड़ चुकी है और बहुपक्षीय सहयोग कठिन हो गया है। ऐसे परिदृश्य में, भारत ने 'आत्मनिर्भरता' को अपनी नीतियों के मूल सिद्धांत के रूप में अपनाया है। उन्होंने 'आत्मनिर्भरता' की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए दो बातों पर जोर दिया।

यह दुनिया से कटने की नीति नहीं है, बल्कि मुख्य क्षमता और लचीलेपन को बनाने की रणनीति है।

घरेलू क्षमताः आर्थिक आत्मनिर्भरता का अर्थ है देश के भीतर महत्वपूर्ण वस्तुओं और तकनीकों के उत्पादन की क्षमता विकसित करना और विदेशी स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मजबूत घरेलू क्षमताओं वाली आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था विकास को बनाए रखने की शक्ति देती है, जबकि एक स्वायत्त विदेश नीति बाहरी चुनौतियों से निपटने में राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करती है।

वैश्विक चुनौतियों पर क्या बोले शक्तिकांत दास? : दास का यह बयान ऐसे समय में आया है जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक हवाएं बदल रही हैं। विशेष रूप से, अमेरिका 'रूसी तेल पर प्रतिबंध विधेयक' पर विचार कर रहा है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले देशों-जिनमें भारत और चीन शामिल हैं।

भारत-ईयू एफटीए के केंद्र में रहेंगे किसान और एमएसएमई

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रसेल्स की दो दिवसीय यात्रा के साथ भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत को नई गति दी है। 8 और 9 जनवरी को हुई इस यात्रा के दौरान उन्होंने यूरोपीय आयोग के व्यापार व आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ उच्चस्तरीय वार्ता की, जिसमें लंबित मुद्दों को सुलझाने और समझौते को तेजी से आगे बढ़ाने पर मार्गदर्शन दिया गया।

भारत-ईयू एफटीए वार्ता के केंद्र में रहा : वार्ता के केंद्र में प्रस्तावित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता रहा। दोनों पक्षों ने किसानों और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों के हितों की रक्षा पर जोर देते हुए भारतीय उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने की आवश्यकता को रेखांकित किया। मंत्री गोयल ने कहा कि भारत और ईयू एक नियम-आधारित व्यापार ढांचे और आधुनिक आर्थिक साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो संतुलित और परस्पर लाभकारी हो।

वाणिज्य मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने बाजार पहुंच, वस्तुओं के नियम, सेवाओं सहित विभिन्न वार्ता क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की। मंत्रीस्तरीय चर्चा से यह संकेत मिला कि शेष मुद्दों को रचनात्मक संवाद के माध्यम से सुलझाने के लिए दोनों ओर मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद है।

मंत्रीस्तरीय बैठक से पहले 6-7 जनवरी को वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग की महानिदेशक (ट्रेड) सबाइन वेयंड के बीच उच्चस्तरीय विचार-विमर्श हुआ। इसमें विभिन्न वार्ता ट्रैकों पर हुई प्रगति का जायजा लिया गया और मतभेदों को कम करने पर सहमति बनी।

ब्रसेल्स से पहले मंत्री गोयल ने लिकटेंस्टीन का दौरा किया, जहां उन्होंने प्रमुख कंपनियों के साथ बिजनेस राउंडटेबल की अध्यक्षता की।

टिम कुक के बाद कौन संभालेगा एपल की कमान? सबसे आगे जॉन टर्नस

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे मूल्यवान टेक कंपनी एपल में भविष्य के नेतृत्व को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। मौजूदा सीईओ टिम कुक (65) के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में कंपनी के भीतर एक नाम सबसे मजबूती से उभरा है- जॉन टर्नस। एपल के हार्डवेयर इंजीनियरिंग के हेड, टर्नस को टिम कुक की जगह लेने के लिए 'फ्रंट-रनर' (सबसे आगे) माना जा रहा है।

50 वर्षीय जॉन टर्नस ने 2001 में एप्पल जॉइन किया था और वे पिछले तीन दशकों में हार्डवेयर पर काम करने वाले पहले ऐसे सीईओ हो सकते हैं। पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट टर्नस ने अपने करियर की शुरूआत वर्चुअल रियलिटी स्टार्टअप से की थी। एप्पल में उन्होंने मैक की स्क्रीन पर काम करने से शुरूआत की और धीरे-धीरे पूरे हार्डवेयर विभाग के प्रमुख बन गए,।

बड़ी उपलब्धियांः हाल के वर्षों में, टर्नस ने एप्पल के कई बड़े बदलावों का नेतृत्व किया है, जिसमें 2020 में इंटेल चिप्स को हटाकर एप्पल की अपनी चिप्स का उपयोग करना और 'आईफोन एयर' का विकास शामिल है। एप्पल के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, टर्नस की कार्यशैली स्टीव जॉब्स के जोखिम भरे 'विजनरी' अंदाज के बजाय टिम कुक के 'स्थिर और प्रबंधकीय' दृष्टिकोण से मिलती है।

टर्नस को कंपनी की बॉटम लाइन (मुनाफे) का ध्यान रखने के लिए जाना जाता है। उदाहरण के लिए, जब आईफोन में एक महंगा लेजर कैमरा कंपोनेंट जोड़ने की बात आई, तो टर्नस ने इसे केवल महंगे 'प्रो' मॉडल्स तक सीमित रखने का सुझाव दिया।

उनका तर्क था कि केवल वफादार ग्राहक ही इसके लिए अधिक भुगतान करेंगे।

2025 में उर्वरक उत्पादन 524 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। भारत ने कृषि क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में देश की कुल उर्वरक जरूरतों का करीब 73 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उत्पादन के जरिए पूरा किया गया है। यह उपलब्धि उर्वरक आयात पर देश की निर्भरता को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का कहना है कि वह किसानों को सशक्त बनाने और देश भर में उर्वरकों की विश्वसनीय और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है।

कैसे पांच वर्षों में लगातार बढ़ा उत्पादन? : सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में घरेलू उर्वरक उत्पादन में निरंतर और स्थिर वृद्धि देखी गई है। यह वृद्धि यूरिया (वर्ी), डीएपी (ऊअढ), एनपीके (ठढङ२) और एसएसपी (ररढ) सहित सभी श्रेणियों में दर्ज की गई है।

सरकारी नीतियों का कैसे मिला फायदा? : सरकार ने इस सफलता का श्रेय अपनी सक्रिय नीतिगत पहलों को दिया है।

रोचक तथ्यों का करंट

- पेट्रोल की गाड़ी चन्द्रमा पर नहीं चल सकती क्योंकि वहां पर वायुमण्डल नहीं है।
- हीरा तथा ग्रेफाइट कार्बन के क्रिस्टलीय अवरूप है।
- ईंधनों के जलने से कार्बन डाईऑक्साइड प्रदूषण का मुख्य कारण है।
- आग बुझाने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड का प्रयोग किया जाता है।
- ओजोन मण्डल पराबैगनी किरणों को अवशोषित करके पृथ्वी के जीवो की रक्षा करता है।
- नीबू में साइट्रिक अम्ल पाया जाता है।
- इमली में टारटरिक अम्ल होता है।
- नाइट्रस ऑक्साइड तथा सल्फर डाइऑक्साइड अम्ल वर्षा का मुख्य कारन है।
- साधारण कांच में सोडियम, कैल्शियम, पोटैशियम और लैड के सिलिकेट होते है।
- घरों में इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक गैस (एलपीजी) प्रोपेन तथा ब्यूटेन गैसों का मिश्रण होती है।
- क्वार्टज प्राकृतिक में सबसे अधिक मात्रा में पाया जाने वाला खनिज है अधिकतर चट्टाने इसी से बनी होती है।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

डॉक्टर मरीज से- अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे?
मरीज- साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं कब्र खोदता हूं......
आपकी फ्री में खोद दूंगा।
डॉक्टर बेहोश...

दादी को गीता पढ़ते देख पोते ने अपनी मां से पूछा- मां दादी कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं?
मां - बेटा ये फाइनल ईयर की तैयारी कर रही हैं।

पति- वैक्सीन लगवा ली?
पत्नी- हां लगवा ली...
पति- फेसबुक पर तो फोटो अपलोड करी नहीं तुमने...
पत्नी- फोटो तो खींच ली है.... पर जब 30 साल वालों की बारी आएगी, तब अपलोड करूंगी।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

'हम ऐसे बर्ताव कर रहे हैं जैसे सब ठीक है'

विवाद पर शांतो ने तोड़ी चुप्पी; बीसीबी के निदेशक को घेरा

ढाका। बांग्लादेश भले ही टी20 विश्व कप के मैच भारत से बाहर खेलने पर अड़ा है, लेकिन अब उसे अपने ही घर में विरोध का सामना करना पड़ रहा है। टीम के टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने भी विवाद पर अपनी राय रखी है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को अपने ही खिलाड़ियों से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बीसीबी ने टी20 विश्व कप के मुकाबले भारत में नहीं खेलने की जिद पकड़ ली है, लेकिन उसे अपने ही घर में विरोध झेलना पड़ रहा है। अब इसे लेकर बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने भी चुप्पी तोड़ी है। शांतो का कहना है कि अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में टीम के शामिल होने पर चल रहे संशय से खिलाड़ियों पर असर पड़ रहा है, लेकिन हम ऐसे बर्ताव कर रहे हैं जैसे सब ठीक है।

श्रीलंका में विश्व कप के मैच खेलने की मांग

शांतो ने इसके अलावा पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारत का एजेंट कहने पर बीसीबी के निदेशक एम नजमुल इस्लाम को भी घेरा। बांग्लादेश ने आईसीसी से उसके मुकाबले भारत के बजाए श्रीलंका में खेलने की मांग की है। बीसीबी ने भारत में सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। आईसीसी ने आधिकारिक रूप से इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन बांग्लादेश के खिलाड़ी अब इस विवाद को लेकर अपने ही बोर्ड को घेर रहे हैं।

शांतो ने कहा, सबसे पहले अगर आप हमारे विश्व कप के नतीजों को देखें, तो हमने कभी भी लगातार अच्छा क्रिकेट नहीं खेला है। पिछले साल हमने अच्छा खेला था लेकिन उससे भी बेहतर मौके मिले थे जिनका हम फायदा नहीं उठा पाए। लेकिन आप देखेंगे कि हर विश्व कप से पहले कुछ न कुछ जरूर होता है। तीन विश्व कप के अपने अनुभव से मैं कह सकता हूं कि इसका असर जरूर पड़ता है। अब हम ऐसे बर्ताव करते हैं जैसे हमें कोई फर्क ही नहीं पड़ता, जैसे हम पूरी तरह से पेशेवर क्रिकेटर हैं। आप लोग भी समझते हैं कि हम सिर्फ दिखावा कर रहे हैं, ये आसान नहीं है।

शांतो बोले- चीजें हमारे नियंत्रण से बाहर

शांतो ने कहा कि खिलाड़ी इन ध्यान भटकाने वाली चीजों को एक तरफ रखने और टीम के लिए प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, 'बेशक अगर ये सब न होता तो बेहतर होता, लेकिन यह कुछ हद तक हमारे नियंत्रण से बाहर है।' टी20 विश्व कप की शुरूआत सात फरवरी से होनी है और बांग्लादेश को ग्रुप चरण के अपने चार मैच भारत में खेलने हैं। इसमें से तीन कोलकाता में और एक मुंबई में खेला जाना है। बीसीसीआई ने हाल ही में आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को निर्देश दिया था कि वह बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दे। इसके बाद से ही बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप को लेकर राग अलपाना शुरू कर दिया है। बीसीबी ने सुरक्षा को बहाना बनाया है और अपने मैच श्रीलंका में खेलने की मांग की है।

शांतो ने कहा, मुझे इस घटना के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं है न ही यह पता है कि इसे कैसे नियंत्रित किया जा सकता था। फिर भी मैं कहूंगा कि ऐसी परिस्थितियों में भी कुछ करना मुश्किल है। अगर हम सही मानसिकता के साथ विश्व कप में जाते हैं और कहीं भी खेलते हैं तो हमें टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

बीसीबी निदेशक के बयान पर जताया गुस्सा

शांतो ने बीसीबी निदेशक इस्लाम के उस बयान पर भी गुस्सा जताया जिसमें उन्होंने तमीम इकबाल को भारत का एजेंट बताया था। तमीम ने बीसीबी को सलाह देते हुए कहा था कि वह भावनाओं में आकर टी20 विश्व कप के लिए भारत नहीं जाने का फैसला ना ले। इसे लेकर यह अधिकारी गुस्सा हो गया और उसने अपने ही पूर्व कप्तान को लताड़ा था। शांतो ने कहा, बहुत दुख की बात है क्योंकि ऐसी टिप्पणियां एक क्रिकेटर के बारे में की गईं। एक पूर्व कप्तान के बारे में और मेरी राय में बांग्लादेश के सबसे सफल क्रिकेटरों में से एक जिन्हें हम बचपन से खेलते हुए देखते आए हैं। एक खिलाड़ी के तौर पर हम सम्मान की अपेक्षा रखते हैं। चाहे कोई पूर्व कप्तान हो, नियमित खिलाड़ी हो, सफल हो या नहीं। अंततः एक क्रिकेटर सम्मान की उम्मीद करता है।

कोच यान जेलेज्नी से अलग हुए नीरज चोपड़ा 90 मीटर के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद विदाई

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के दिग्गज कोच यान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी एक सीजन बाद समाप्त करने की घोषणा की। नीरज ने इसे सीख, प्रगति और आपसी सम्मान से भरा सफर बताया, हालांकि अलग होने की वजह स्पष्ट नहीं की।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शनिवार को चेक गणराज्य के दिग्गज कोच यान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी समाप्त करने की घोषणा की। यह साझेदारी सिर्फ एक सीजन तक चली, जिसे नीरज ने प्रगति, आपसी सम्मान और खेल के प्रति साझा जुनून से भरा बताया। हालांकि, नीरज ने इस करार के खत्म होने की कोई ठोस वजह नहीं बताई।

नीरज ने की जेलेज्नी की तारीफ

यान जेलेज्नी भाला फेंक के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं और विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं। उन्हीं के मार्गदर्शन में नीरज चोपड़ा ने पिछले साल पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था। अपने अनुभव को साझा करते हुए नीरज ने कहा कि जिस खिलाड़ी को वह बचपन से अपना आदर्श मानते आए हैं, उससे सीधे सीखना उनके लिए सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, 'यान के साथ काम करने से मुझे एक नया टूलबॉक्स मिला, नई एक्सरसाइज, तकनीकी विचार और खेल को देखने के नए नजरिए। तकनीक, रिद्म और मूवमेंट को लेकर उनकी सोच अद्भुत है। हर सेशन से मैंने कुछ नया सीखा।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा गर्व इस बात का है कि मैंने अपने जीवन के आदर्श के साथ एक गहरी दोस्ती बनाई।

खेल आयोजनों में प्रशासकों का सैर सपाटा नहीं होगा बर्दाश्त

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की मौजूदगी में खेल प्रशासन सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा भी मौजूद रहीं। इस दौरान सरकार की ओर से खेल प्रशासकों को हिदायत भी दी गई। सरकार ने खेल प्रशासकों को स्पष्ट कर दिया है कि ओलंपिक, एशियाई, राष्ट्रमंडल खेल आयोजनों को खिलाड़ियों के हित और अवसर की बजाय परिवार के साथ छुट्टियां मनाने के रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की मौजूदगी में खेल सचिव हरिरंजन राव ने यह हिदायत खेल प्रशासन सम्मेलन में दी। उन्होंने खेल प्रशासकों से 15 जनवरी तक जापान में इस वर्ष होने वाले एशियाई खेलों के लिए अपने दल के नामों की सिफारिश करने को कहा। सम्मेलन में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए), राष्ट्रीय खेल संघों के पदाधिकारियों के अलावा गुजरात के उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री हर्ष सांघवी ने शिरकत की।

दोपहर में 1.30 बजे से शुरू होगा पहला वनडे

वडोदरा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार से तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरूआत हो रही है। इस सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ी भी खेलते नजर आएंगे। न्यूजीलैंड की टीम में नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार है लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिये से सीरीज अहम है। अगले महीने वाली टी20 विश्व कप के कारण वनडे सीरीज की अहमियत थोड़ी कम है, लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

रोहित शर्मा और विराट कोहली एक बार फिर भारतीय जर्सी में खेलते नजर आएंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे वडोदरा में खेला जाएगा।

बीसीए के नए स्टेडियम में पुरुष टीम का पहला मैच

यह पहला मौका होगा जब कोटाम्बी स्थित बड़ौदा क्रिकेट संघ के नए स्टेडियम में पुरुषों का कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे सीरीज की मेजबानी कर चुका है। न्यूजीलैंड के लिए पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत से मिली हार का खास महत्व नहीं है, क्योंकि यह सीरीज और दूसरे दर्जे के खिलाड़ियों को परखने का अच्छा मौका है। टीम 2024-25 में भारत दौरे पर टेस्ट सीरीज में मिली 3-0 की ऐतिहासिक जीत की योजना को वनडे सीरीज में भी आजमाना चाहेगी।

प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरेगा न्यूजीलैंड

कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की अगुआई करेंगे। नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रोइन इंजरी के कारण वनडे सीरीज से बाहर हैं, जबकि टॉम लाथम अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट गए हैं। पूर्व कप्तान केन विलियमसन दक्षिण अफ्रीका में एसए 20 लीग में अपनी टी20 प्रतिबद्धताओं को निभा रहे हैं।

रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को आराम दिया गया है। पिंडली की चोट से वापसी कर रहे मैट हेनरी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी20 सीरीज पर ध्यान दे रहे है। इस दौरान लंबे कद के हरफनमौला काइल जैमीसन और 23 वर्षीय लेग स्पिनर आदित्य अशोक के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच का मैच कब खेला जाएगा?

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच 11 जनवरी यानी रविवार को खेला जाएगा।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच कहां खेला जाएगा?

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच बड़ौदा के कोटाम्बी के बीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच कितने बजे से खेला जाएगा?

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर 1:00 बजे होगा।

मस्ती के मूड में नजर आए विराट कोहली

वडोदरा। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तैयार है। इसके लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों ने भी कमर कस ली है। कोहली फॉर्म में चल रहे हैं। वहीं, अभ्यास सत्र के दौरान उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह अर्शदीप सिंह की नकल उड़ाते दिख रहे हैं।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज की तैयारियों में जुट गए हैं। दोनों टीमों के बीच रविवार को तीन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। वडोदरा में भारतीय टीम ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया और इस दौरान कोहली मस्ती के मूड में नजर आए।

कोहली ने टीम के साथी खिलाड़ियों के साथ जमकर मस्ती की और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की कॉपी करके उनका मजाक उड़ाया।

नेट्स पर बहाया पसीना

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने लगभग डेढ़ घंटे तक भारतीय तेज गेंदबाजों, स्पिनरों और थ्रोडाउन विशेषज्ञों के खिलाफ बल्लेबाजी अभ्यास किया।

विजय हजारे में 77 और 131 रनों की पारियां खेलने वाले कोहली ने स्पिनरों और तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। हालांकि, एक नेट में थ्रोडाउन विशेषज्ञों की ओर से मिल रही असमान उछाल ने उन्हें कुछ हद तक चुनौती भी दी।

अर्शदीप के रन-अप को किया कॉपी: कोहली की सहजता का सबसे अच्छा उदाहरण नेट सेशन के दौरान देखने को मिला जब कोहली कुछ पल के लिए मनोरंजक बन गए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को गेंदबाजी करने के लिए दौड़ते हुए देखकर, कोहली ने मजाक में उनकी खास रन-अप की नकल की, कदमों और चाल को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जिससे वहां मौजूद सभी लोग अपनी हंसी नहीं रोक पाए। वहीं, अभ्यास सत्र में मौजूद रोहित शर्मा ने भी इस पल का आनंद लिया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया था दमदार प्रदर्शन: कोहली पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया था। अब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी दम दिखाने को तैयार हैं। कोहली ने हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और दिल्ली के लिए दो मैच खेले थे।

द. अफ्रीका के बाद स्कॉटलैंड के खिलाफ भी गरजे वैभव, 190+ के स्ट्राइक रेट से की बल्लेबाजी

बुलावायो। अंडर-19 विश्व कप की शुरूआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। भारतीय अंडर-19 टीम आज स्कॉटलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेल रही है। बुलावायो में खेले जा रहे इस मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। बता दें कि, स्कॉटलैंड अंडर-19 टीम के कप्तान थॉमस नाइट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

अंडर-19 विश्व कप से पहले भारतीय टीम आज बुलावायो में स्कॉटलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेल रही है। इस मुकाबले में स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

190+ के स्ट्राइक रेट से गरजा वैभव का बल्ला

इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने 50 गेंदों का सामना किया और 96 रनों की धुआंधार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से नौ चौके और सात गगनचुंबी छक्के निकले। वहीं, उनका स्ट्राइक रेट 192.00 का रहा। हालांकि, वह शतक पूरा करने से सिर्फ चार रन से चूक गए। इससे पहले, वैभव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी यूथ वनडे में 127 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी।

वैभव ने हासिल की थी बड़ी उपलब्धि

दक्षिण अफ्रीका की धरती पर अपने पहले शतक के साथ वैभव ने बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। 14 वर्षीय वैभव पांच अलग-अलग देशों में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए। इससे पहले उन्होंने भारत, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में शतकीय पारी खेली थी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को तीन यूथ वनडे मैचों की सीरीज में 3-0 से हराया था।

अंडर-19 विश्व कप से पहले भारत की दमदार तैयारी

अंडर-19 विश्व कप से पहले भारतीय टीम शानदार फॉर्म में नजर आ रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप इस बात का सबूत है। अंडर-19 विश्व कप का आयोजन 15 जनवरी से छह फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। 16 टीमों का चार ग्रुप में बांटा गया है। पांच बार की अंडर-19 विश्व कप विजेता भारतीय टीम को ग्रुप बी में न्यूजीलैंड, अमेरिका और बांग्लादेश के साथ शामिल किया गया है। भारत अपने अभियान की शुरूआत 15 जनवरी से अमेरिका के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद टीम का सामना 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड से होगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला हरारे में खेला जाएगा।

पीवी सिंधू का मलयेशिया ओपन में सफर समाप्त

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का शानदार अभियान मलयेशिया ओपन के सेमीफाइनल में समाप्त हो गया है। सिंधू को महिला एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की वांग झीयी के खिलाफ हार मिली। सिंधू विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ दबाव को नहीं झेल सकीं और उन्होंने कई गलतियां की जिससे उन्हें 16-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पैर की चोट से उबरने के बाद अपना पहला टूनार्मेंट खेल रहीं सिंधू ने दूसरे गेम में 11-6 की बढ़त ली थी, लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सकीं। सिंधू की हार के साथ ही टूनार्मेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गई है। इससे पहले, क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची के चोट के कारण बाहर होने से सिंधू ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। हालांकि, वह फाइनल में जाने से चूक गईं। सिंधू ने शुरूआत में बेहतर रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी को कड़ी चुनौती दी। उन्होंने दमदार शॉट्स लगाए और अपनी लंबी पहुंच का प्रभावी उपयोग किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम की कमान संभालेंगे शुभमन गिल

भारत के अनुभवी बल्लेबाज शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इससे पहले उन्होंने टी20 विश्व कप के लिए टीम में नहीं चुने जाने पर चुप्पी तोड़ी है।

वडोदरा। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। गिल अब न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने इससे पहले टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं बना पाने पर चुप्पी तोड़ी। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज तक भारतीय टीम के उपकप्तान थे, लेकिन उन्हें इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया था।

टीम में नहीं चुने से चिंतित नहीं गिल

गिल हालांकि, विश्व कप टीम में चुने जाने से चिंतित नहीं है। गिल ने कहा कि वह चयनकताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी मौका मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे। गिल ने भारत के लिए 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 869 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 28.03 और स्ट्राइक रेट 138.59 का रहा है। भारत टी20 विश्व कप से पहले तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेलेगा। विश्व कप की शुरूआत सात फरवरी से होगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के शुरूआती वनडे से पहले गिल ने कहा, मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकताओं ने अपना निर्णय लिया है। मैं हमेशा वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं, इससे जीवन आसान हो जाता है।

गिल बोले- किसी प्रारूप को आसान नहीं मानना चाहिए

गिल ने कहा, जब हम पिछली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे खेले थे तब मेरा पदार्पण हुआ था और मैं हमेशा उस दिन को संजोकर रखता हूं। किसी भी प्रारूप को आसान नहीं मानना चाहिए। अगर आप देखें, तो भारतीय टीम ने 2011 के बाद कोई वनडे विश्व कप नहीं जीता है। ऐसे में कोई भी प्रारूप आसान नहीं होता और इसके लिए बहुत मेहनत और दृढ़ संकल्प की जरूरत होती है। गिल को पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट और उसके बाद की वनडे सीरीज छोड़नी पड़ी थी, क्योंकि कोलकाता में पहले टेस्ट के दूसरे दिन लगी गर्दन की चोट के कारण उन्हें दो दिन अस्पताल में रहना पड़ा। भारतीय कप्तान ने कहा, किसी मैच को छोड़कर टीम को खेलते हुए देखना कभी आसान नहीं होता। कप्तान के रूप में बहुत कुछ करना होता है, आपको गति बनानी होती है और उसी पर निर्माण करना होता है।

पहले वनडे के लिए कैसी होगी भारत की संभावित प्लेइंग-11, क्या पंत को मिल सकेगा मौका

वडोदरा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज की रविवार से शुरूआत हो रही है। इस सीरीज से श्रेयस अय्यर राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। ऋषभ पंत और केएल राहुल दोनों टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में किसे प्लेइंग-11 में जगह मिलेगी और किन खिलाड़ियों को बाहर बैठना पड़ेगा, इसे लेकर काफी चर्चा है।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से 2026 की शुरूआत करेगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच रविवार को वडोदरा में खेला जाएगा।

यह साल भारत के लिए काफी व्यस्त है और अगले महीने टी20 विश्व कप भी होना है, ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवर की यह सीरीज काफी अहम है। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल चोट के बाद मैदान पर वापसी करेंगे। गिल पिछले कुछ समय से रंग में नजर नहीं आए हैं और उनके पास इस सीरीज के जरिये फॉर्म में वापसी करने का मौका होगा।

रोहित-कोहली का दिखेगा दम

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ी भी टीम में मौजूद हैं। रोहित और कोहली इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते नजर आए थे।

कोहली शानदार फॉर्म में दिखे थे और उन्होंने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अब एक बार फिर Ro-Ko की यह जोड़ी दर्शकों का मनोरंजन करेगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले रोहित और कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी दो मैच खेले थे।

यशस्वी को बैठना पड़ सकता है बाहर

यह देखना दिलचस्प होगा कि टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद कप्तान शुभमन गिल कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनकी फॉर्म पहले से ही चिंता का विषय रही है, वहीं पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में वह चोट के कारण बाहर रहे थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम से बाहर बैठना पड़ सकता है। यशस्वी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अपना पहला वनडे शतक जमाया था।

श्रेयस अय्यर की होगी वापसी

इस सीरीज से श्रेयस अय्यर की भारतीय टीम में वापसी होगी। श्रेयस पिछले साल अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हो गए थे। वनडे सीरीज के लिए टीम घोषित करते समय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्पष्ट किया था कि श्रेयस का खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। श्रेयस ने हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई टीम की कप्तानी की थी और उन्हें सीओई से फिटनेस सर्टिफिकेट भी मिल गया था। इससे उनके न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने का रास्ता भी साफ हो गया। श्रेयस अय्यर की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में चल रहे प्रयोगों पर विराम लगने की उम्मीद है और 31 वर्षीय इस बल्लेबाज का एक बार फिर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना लगभग तय है।

इस मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11:

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा/ प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव

न्यूजीलैंड: हेनरी निकोलस, विल यंग, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, जेडन लेनोक्स, डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), जकारी फोक्स, काइल जैमिसन, माइकल रे, क्रिस्टन क्लार्क।

विकेटकीपर के तौर पर राहुल ही होंगे पहली पसंद

ऋषभ पंत को वनडे टीम में लेने पर काफी चर्चा हुई थी, लेकिन यह स्पष्ट है कि प्लेइंग-11 में विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल ही पहली पसंद होंगे। केएल राहुल की निचले क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर के रूप में भूमिका जारी रहने से ऋषभ पंत के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना कम है। वहीं, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी उपलब्धता के संकेत मिले हैं।

सिराज-हर्षित पर गेंदबाजी का दारोमदार

जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को टी20 प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर वनडे सीरीज से आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा। कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग संभालेंगे। इस प्रारूप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा। वहीं, ऑलराउंडर के तौर पर वॉशिंगटन सुंदर को प्लेइंग-11 में जगह मिलने की उम्मीद है।

स्वर्गीय उर्मिला त्यागी की शोक सभा में नम आंखों से दी गई श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता डॉ वीरेश्वर त्यागी की माता उर्मिला त्यागी का 30 दिसम्बर को निधन हो गया था। 10 जनवरी को उनकी शोकसभा आयोजित की गई। राजनगर सेक्टर-4 सामुदायिक भवन में आयोजित शोकसभा में समाज के गणमान्य लोग पहुंचे और सभी ने स्वर्गीय उर्मिला त्यागी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा में मंच संचालन पूर्व पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने किया। स्वर्गीय उर्मिला त्यागी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सभी ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। शोकसभा में परिवार की ओर से डॉ वीरेश्वर त्यागी, राजनगर आरडब्लूए के सचिव प्रभाकर त्यागी, भाजपा नेता कामेश्वर त्यागी, निशांत त्यागी, राघवेन्द्र त्यागी, लक्ष्य त्यागी और भास्कर त्यागी को सभी ने सांत्वना दी।

महिला से कुंडल लूट रहे दो बदमाशों को पब्लिक ने दबोचा

पीड़िता | आरोपी

मोदीनगर, करंट क्राइम। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित बस स्टैंड के निकट एक महिला से सोने के कुंडल छीनने का प्रयास कर रहे दो बदमाशों को लोगों ने पकड़ लिया। भीड़ ने उनकी जमकर धुनाई की और बाद में उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। यह घटना शनिवार की सुबह तब हुई जब मोदीनगर निवासी कमलेश नामक महिला दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बस स्टैंड के निकट बाजार में कुछ सामान खरीदने गई थी। आरोपियों ने उसके कुंडल छीनने का प्रयास किया। महिला ने तुरंत शोर मचाना शुरू कर दिया। भीड़ ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया और उनकी जमकर पिटाई करने के बाद, सूचना पर पहुंची पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। एसीपी अमित सक्सेना ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

कौशल बोध से शिक्षण प्रक्रिया को मिलेगा नया आयाम

मोदीनगर, करंट क्राइम। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूप रेखा 2023 के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से दयावती मोदी पब्लिक स्कूल में कौशल बोध विषय पर एक दिवसीय सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य वीके राणा ने सीबीएसई दिल्ली की संसाधन व्यक्तियों डॉ0 गुरमीत गुप्ता व साधना चौधरी का स्वागत किया। लगभग 60 शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी व प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा सभी ने कौशल बोध को विद्यालयी शिक्षण, अधिगम प्रक्रिया में एनईपी 2020 व एनसीएफ-एसएफ 2023 के अनुरूप प्रभावी ढंग से लागू करने का संकल्प लिया। संचालन डॉ0 रश्मि तेवतिया द्वारा किया गया। सुश्री रिया भदवार, प्रीति सिंह, सुरभि व आयुषी का सराहनीय सहयोग रहा।

पोकलेन मशीन की चपेट में आए बच्चे की मौत

मोदीनगर, करंट क्राइम। नगर की लंकापुरी कॉलोनी स्थित डंपिंग ग्राउंड में पोकलेन मशीन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुए सात वर्षीय बच्चे सुमित की उपचार के दौरान मेरठ के एक नीजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पोकलेन मशीन के चालक के विरूद्व रिपोर्ट दर्ज कर अग्रीम कार्रवाही शुरू कर दी है। मृतक सुमित के परिजनों ने आरोपी चालक के विरूद्व कठोर कार्रवाही के साथ ही मुआवजे की मांग की और कहा कि परिवार अत्यंत गरीब होने के साथ ही निर्धन है। बेटा बकरी चराने गया हुआ था, उसी दौरान वह हादसें का शिकार हो गया। उसने पुलस प्रशासन से मुआवजा दिलायें जाने की मांग की है।

बांग्लादेश में हिंसा को लेकर आम आदमी पार्टी का विरोध प्रदर्शन आज

केंद्र सरकार पर चुप्पी का आरोप

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के साथ कथित हिंसा और अत्याचार के मामलों को लेकर आम आदमी पार्टी रविवार को विरोध प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने केंद्र की मोदी सरकार पर इस मुद्दे पर चुप रहने और कोई ठोस पहल न करने का आरोप लगाया है।

आप उत्तर प्रदेश की प्रदेश प्रवक्ता तरुणिमा श्रीवास्तव ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की खबरें आ रही हैं, लेकिन भारत सरकार इसके प्रति सक्रिय नहीं दिख रही। यह गंभीर मानवीय और कूटनीतिक विषय है, जिस पर तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पड़ोसी देशों के साथ व्यापारिक संबंधों को प्राथमिकता दे रही है, जबकि हिंदू समुदाय की सुरक्षा से जुड़े मामलों पर प्रभावी कदम उठाने में पीछे है। आप के अनुसार, इसी विषय को लेकर पार्टी प्रदेशभर में विरोध कार्यक्रम आयोजित कर रही है। यह प्रदर्शन घंटाघर चौक शहीद भगत सिंह स्मारक पर दोपहर 12 बजे से होगा। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

यूपी पुलिस की टोपी का ना हो जाए गलत इस्तेमाल

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक थानाक्षेत्र के अंतर्गत सुरक्षा कर्मियों द्वारा यूपी पुलिस की टोपी का वीडियो वायरल हुआ था। इसको लेकर कई तरीके की टिप्पणी हुई, तो अधिकारियों से सवाल भी हुए लेकिन मामला सोशल मीडिया तक ही सिमट गया। इसके बाद अब दूसरा मामला सामने आया है। शुक्रवार को हिंदू संगठनों का पुलिस मुख्यालय पर घेराव था और धरना-प्रदर्शन वाला कार्यक्रम था। तो इस कार्यक्रम में दो चेहरे ऐसे नजर आ रहे थे, जिनके सिर पर यूपी पुलिस वाली खाकी टोपी थी और उसपर पुलिस का लोगो भी बना हुआ था। पहली नजर में यह लोग पुलिस के लग रहे थे, लेकिन जब मौके पर मौजूद खुफिया तंत्र वालों ने टटोला और मीडिया वालों ने पूछताछ की तो मामला पता चला कि यह तो भगवा दल वाले हैं। बस टोपी दूसरी पहने हुए हैं, अब सवाल उठ रहा है कि इतनी आसानी से कैसे यूपी पुलिस के लोगो और खाकी वाली टोपी आम लोगों को मुहैया हो रही हैं। अब सवाल ना सिर्फ सुरक्षा का है बल्कि जब से दिल्ली में बम ब्लास्ट हुआ और 26 जनवरी का पर्व आने वाला है, ऐसे में दिल्ली-एनसीआर की सुरक्षा के दावे होते हैं। तो खुफिया विभाग भी अलर्ट रहने के सबूत पेश करता है। ऐसे में अगर किसी ने गलत मंसूबों को अंजाम देने के लिए इस खाकी वाली टोपी का

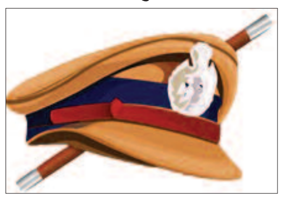

सहारा ले लिया तो सोचिए स्थिति क्या होगी। सवाल तो उन इलाकों का भी है, जहां खुलेआम यह टोपियां बेची जा रही हैं और इनकी खरीदारी भी हो रही है। वैसे होना तो इसमें यह चाहिए की खाकी वाले खुद ऐसे लोगों को चिन्हित करें और उनपर कार्रवाई करें कि वह क्यों इस तरीके से उनकी यूनिफॉर्म टोपी का इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन जिम्मेदारी लेने वाला कोई आगे नहीं आ रहा है। कुल मिलाकर सवाल सुरक्षा और अनुशासन का भी उठ रहा है कि इस ओर कोई ध्यान क्यों नहीं दे रहा है। वैसे यह पहली बार नहीं है, अमूमन सर्दी के दिनों में पुलिस की टोपी का गलत इस्तेमाल होता है। तो वहीं पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में तो गाड़ियों के डेक्स बोर्ड पर टू-स्टारों से लेकर अधिकारियों की टोपी का कितना बेजा इस्तेमाल होता है, यह सबको भली भांति मालूम ही है। पर जिन अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ यहां एक्शन लेना चाहिए, वह पता नहीं कौन से आदेश और निर्देश के पालन में मौन धारण किए बैठे रहते हैं या उनको इस ओर ध्यान नहीं जाता या यह भी कहा जाता है कि वह ध्यान देना नहीं चाह रहे हैं। कुल मिलाकर 26 जनवरी जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व में कहीं यह लापरवाही सुरक्षा के लिए बड़ा कारण न बन जाए, इसलिए ध्यान अवश्य देना चाहिए।

उपलब्धि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सुप्रसिद्ध कवयित्री मधु स्वामी को भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति में आयोजित राष्ट्रीय बाल साहित्य समारोह में विक्रम शिला हिंदी विद्यापीठ बिहार द्वारा विद्यावाचस्पति (डॉक्ट्रेट) की उपाधि प्रदान किये जाने पर साहित्य मंडल श्रीनाथ द्वारा सम्मानित किया गया। इस समारोह में पूर्व राजयमंत्री रविकांत गर्ग ने मुख्य अतिथि के रूप में कवयित्री मधु स्वामी की काव्यकृति जिंदगी की धूप-छांव की सराहना करते हुए उनकी दो अन्य पुस्तकों जिंदगी का आईना एवं मन के उस पार का विमोचन किया। इस अवसर पर साहित्य मंडल के श्याम प्रकाश देवपुरा डॉ राहुल ने इस उपलब्धि को हिंदी साहित्य के लिए गौरपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर व्यापारी नेता राकेश स्वामी मुख्य रूप से मौजूद रहे। गौरतलब है कि डॉ मधु स्वामी व्यापार मंडल के नेता राकेश स्वामी की धर्मपत्नी हैं।

विधायक मंजू शिवाच ने बांटे कंबल, जरूरतमंदों को मिली सर्दी से राहत

मोदीनगर, करंट क्राइम। विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक भोजपुर में शीत ऋतु की गंभीरता को देखते हुए विधायक द्वारा कंबल वितरण कैंप का आयोजन किया, जिसमें जरूरतमंदों को करीब कर 500 कंबलों का वितरण किया गया।

ब्लाक भोजपुर में शनिवार को आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधायक डॉ0 मंजू शिवाच ने कहा कि जरूरतमंद, गरीब, असहाय व श्रमिक परिवारों के की मदद के लिये लिये प्रदेश व केंद की सरकार हमेशा अग्रणी है। उन्होंने जरूरतमंद परिवारों के गरीब 500 लोगों को कंबल वितरित कियें।

इसमें मुख्य रूप से ब्लाक भोजपुर के गांव त्यौडी- 13 बिस्वा, अमराला, सुजानपुर अखाड़ा, फरीदनगर, पट्टी, जहांगीरपुर, आदि गावों के जरूरतमंद ग्रामीण शामिल रहें। मोदीनगर एसडीएम अजित कुमार सिंह, अमित चौधरी आदि मौजूद रहें।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

Sanjeev Gupta is with Sanjeev Gupta Fan Club and 3 others.
48m

Summercool का प्रतिनिधित्व करते हुए, PPP मॉडल को साकार करने हेतु उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों के साथ आज जिला विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल जी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों संग दोपहर भोज के दौरान गाजियाबाद के विकास में सार्वजनिक निजी जन भागीदारी तंत्र को मजबूत करने के लिए परस्पर संवाद कर सरकार की योजनाओं से कदम से कदम मिलाकर चलते हुए, विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश के सपनों को साकार करने की सुंदर पहल हेतु रेडिसन कंट्री इन में सहभागिता की।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव गुप्ता हमेशा से परस्पर संवाद और जनभागीदारी के समर्थक हैं। एक निजी होटल में जब पीपीपी मॉडल को साकार करने हेतु उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अपने विचार साझा किये तो यहां विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश के सपने के साथ संजीव गुप्ता भी मौजूद रहे। संजीव गुप्ता ने विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश और निजी जनभागीदारी के इन पलों को फेसबुकपर साझा किया। संजीव गुप्ता की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

पांच दिनों के बाद शांति बहाल की कोशिशें

सरकार ने अलेप्पो में तैनात किया सुरक्षा बल

इस्लामाबाद। सीरिया वर्षों से जारी गृहयुद्ध अभी भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच सीरियाई सरकार ने अलेप्पो में पांच दिनों से जारी संघर्ष को देखते हुए सुरक्षा बलों की तैनाती की है। इन झड़पों में कई लोग मारे गए और घायल हुए है।

सीरिया में जारी गृहयुद्ध दिन-प्रतिदिन और घातक रूप लेता हुआ नजर आ रहा है। इसी बीच शांति बहाल के लिए सरकार ने अलेप्पो शहर के उत्तर में सुरक्षा बलों की तैनाती की है। ये बल अलेप्पो के कुर्द बहुल इलाके शीख मकसूद में सरकारी बलों और कुर्द लड़ाकों के बीच पांच दिनों से भी ज्यादा की कड़ी लड़ाई के बाद तैनात हुए है। इन झड़पों में कई लोग मारे गए और घायल हुए। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार इस हिंसा में दो कुर्द लड़ाकों ने खुद को सुरक्षा बलों के बीच में उड़ा लिया। हालांकि, इसमें कोई सुरक्षा बल घायल नहीं हुआ।

सीरियाई सुरक्षा बलों ने सुबह से ही इलाके की साफ-सफाई और सुरक्षा संचालन शुरू किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से कहा कि खुद की सुरक्षा के लिए घर में रहें। इलाके से पहले ही भाग गए सैंकड़ों लोग अब शीख मकसूद में वापस आने का इंतजार कर रहे हैं।

मंगलवार को शुरू हुई झड़पें

बता दें कि झड़पें मंगलवार को शुरू हुईं। यह मुख्य रूप से कुर्द बहुल इलाकों शीख मकसूद, अशरफी और बानी जेद में हुई। इसका कारण यह था कि सरकार और कुर्द नेतृत्व वाली सशस्त्र शक्ति, सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एसडीएफ), अपने सैनिकों को राष्ट्रीय सेना में शामिल करने पर सहमत नहीं हो पाए। सरकारी बलों ने तब से अशरफी और बानी जैद पर कब्जा कर लिया है।

इन झड़पों में अब तक कम से कम 22 लोग मारे गए। कुर्द बलों के अनुसार, कुर्द बहुल इलाकों में 12 आम नागरिक मारे गए, जबकि सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकारी इलाके में कम से कम 10 नागरिक मारे गए। इस हिंसा के कारण 1,40,000 से ज्यादा लोग अपने घर छोड़कर भाग गए।

सीरिया में गृह युद्धः कब और क्यों शुरू हुआ

गौरतलब है कि सीरिया में गृह युद्ध 2011 में शुरू हुआ। इसका मुख्य कारण था अरब स्प्रिंग आंदोलन, जब कई देशों में लोग अपने नेताओं और सरकारों के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन करने लगे। सीरिया में भी लोग राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के खिलाफ विरोध करने लगे। शुरूआत में यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण थे, लेकिन धीरे-धीरे सरकार और विरोधियों के बीच सशस्त्र संघर्ष शुरू हो गया।

सीरिया सूचना मंत्री ने क्या कहा?

वहीं इस मामले में सीरिया के सूचना मंत्री हामजा अल-मुस्तफा ने कहा कि कुर्द लड़ाके नागरिक भवनों, अस्पतालों और क्लिनिकों का इस्तेमाल कर रहे थे। दोनों तरफ से आरोप हैं कि विरोधी पक्ष ने नागरिक इलाकों और अस्पतालों को निशाना बनाया। वहीं कुर्द नेतृत्व वाली संस्था डेमोक्रेटिक ऑटोनोमस एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ नॉर्थ एंड ईस्ट सीरिया ने कहा कि सुरक्षा बलों ने शीख मकसूद के खालिद फजर अस्पताल को निशाना बनाया।

इससे मरीजों और अस्पताल कर्मियों की जान खतरे में पड़ गई। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप करने की अपील की। राज्य टीवी ने बताया कि एसडीएफ द्वारा भेजे गए ड्रोन हमले में कम से कम एक सुरक्षा सदस्य घायल हुआ। पत्रकारों ने कहा कि इलाके में ड्रोन उड़ते हुए और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं।

इसके बाद देश में कई सैनिक, विद्रोही और अलग-अलग सशस्त्र समूह आपस में लड़ने लगे। इस युद्ध में अब तक सैकड़ों हजार लोग मारे जा चुके हैं और लाखों लोग अपने घर छोड़कर भाग चुके हैं। कई क्षेत्रों में सरकारी बल, कुर्द लड़ाके और अंतरराष्ट्रीय सेना शामिल हो गई हैं। इस कारण से सीरिया का गृह युद्ध दशकों तक चलने वाला और बहुत ही खतरनाक संघर्ष बन गया है।

चीन वाली कहानी झूठी, सबसे बड़ा खतरा यूएस': रासमस जारलोव

कोपेनहेगन। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी पर डेनमार्क के सांसद रासमस जारलोव ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका सहयोगी देशों को सैन्य धमकी दे रहा है, जो चौंकाने वाला और अस्वीकार्य है।

ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों पर डेनमार्क में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। डेनमार्क की कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद रासमस जारलोव ने अमेरिका के रुख को न सिर्फ परेशान करने वाला बल्कि पूरी तरह अस्वीकार्य करार दिया है।

रासमस जारलोव ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे सहयोगी देश द्वारा सैन्य कार्रवाई की धमकी दी जा रही है। उन्होंने कहा, 'यह अभूतपूर्व है कि आप अपने ही मित्र देशों को धमकाएं ऐसे देशों को, जिन्होंने कभी आपके खिलाफ कुछ नहीं किया और हमेशा वफादार रहे।

दुनिया के देशों के लिए भी खतरे की घंटी

डेनिश सांसद ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर डेनमार्क जैसे देश को इस तरह की आक्रामक भाषा का सामना करना पड़ सकता है, तो यह दुनिया के अन्य देशों के लिए भी खतरे की घंटी है। उन्होंने कहा 'अगर डेनमार्क सुरक्षित नहीं है, तो फिर कोई भी देश सुरक्षित नहीं'। ग्रीनलैंड के संदर्भ में यारलोव ने ट्रंप के तर्कों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि ग्रीनलैंड की ओर से न तो कोई खतरा है और न ही किसी प्रकार की शत्रुता। उन्होंने जोड़ा ह्ग्रीनलैंड के मामले में किसी भी तरह का बहाना नहीं बनता, न कोई धमकी है, न दुश्मनी।

आंदोलन कुचलने के लिए खामेनेई की सेना ने बरसाई गोलियां! डॉक्टर का दावा- केवल तेहरान में 217 मौत

ईरान में खामेनेई सत्ता के खिलाफ चल रहा प्रदर्शन भारी हिंसक होता जा रहा है। शुक्रवार से पूरे देश में इंटरनेट और कॉल सेवा पूरी तरह से बंद है। इस बीच तेहरान के एक डॉक्टर ने डरा देने वाला खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया है कि सिर्फ तेहरान के छह अस्पताल में अब तक 217 मौतें दर्ज की जा चुकी है।

तेहरान। ईरान में सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन शनिवार (10 जनवरी) को 13वें दिन में जा पहुंचा है। खराब अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई के बीच जनता सड़कों पर उतर चुकी है और खामेनेई प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रही है। इस बीच देश में जारी सरकार विरोधी आंदोलन को लेकर हैरान कर देने वाला दावा सामने आया है। एक ईरानी डॉक्टर ने दावा करते हुए कहा है कि सिर्फ तेहरान में 217 मौतें हुई हैं।

ईरान से मिली रिपोर्टों के अनुसार विरोध प्रदर्शन अब देश के सभी 31 प्रांतों में फैल चुका है। टाइम पत्रिका की एक रिपोर्ट में तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से नाम न छापने की शर्त पर बताया गया है कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकांश की मौत गोली लगने से हुई है।

डॉक्टर का दावा- 217 प्रदर्शनकारियों की मौत

डॉक्टर का दावा है कि तेहरान में 200 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए हैं। टाइम पत्रिका को तेहरान के एक डॉक्टर ने बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकतर की जान सुरक्षा बलों की तरफ से की गई गोलीबारी में गई है। डॉक्टर ने ईरानी अधिकारियों के डर से नाम न छापने की शर्त पर यह बड़ी जानकारी साझा की। हालांकि टाइम पत्रिका ने इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है।

सत्ता के खिलाफ जनता का हल्ला बोल

ऐसे में अगर मौतों के यह आंकड़े सही है तो ईरानी सरकार का आंदोलन को कुचलने के लिए खौफनाक चेहरा सामने आया है। इधर, देश में इंटरनेट और फोन सेवा लगभग पूरी तरह बंद कर हो चुकी है।

इंटरनेट स्वतंत्रता पर नजर रखने वाली संस्था नेटब्लॉक्स ने शासन की तरफ से लागू किए गए इंटरनेट प्रतिबंध का दस्तावेजीकरण किया। संस्था ने बताया कि राष्ट्रव्यापी इंटरनेट बंद किए हुए अब 24 घंटे हो चुके हैं और कनेक्टिविटी सामान्य स्तर के 1% पर स्थिर है। यह जारी डिजिटल ब्लैकआउट ईरानियों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है और शासन की हिंसा को छुपाता है।

विरोध प्रदर्शन के बीच खामेनेई का बड़ा बयान

इससे पहले शुक्रवार को देश में व्याप्त अशांति के बीच सर्वोच्च नेता खामेनेई ने ट्रंप को अमेरिका की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की नसीहत दी है। खामेनेई ने देश को संबोधित करते हुए कहा था कि प्रदर्शनकारी दूसरे देश के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपनी देश को बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई ने साफ कहा है कि देश विदेशियों के भाड़े के सैनिकों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

ईरान में क्यों सुप्रीम लीडर खामेनेई की तस्वीर से सिगरेट जला रहीं युवतियां

तेहरान। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच आंदोलन का नया चेहरा सामने आया है, जहां युवतियां सुप्रीम नेता खामेनेई के जलते हुए पोस्टरों से सिगरेट जला रही हैं। सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं।

ईरान की जनता सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ सड़कों पर हैं। बढ़ती महंगाई, खराब अर्थव्यवस्था और गिरते मुद्रा के स्तर के बाद ईरानी लोगों ने प्रशासन के खिलाफ खोर्चा खोला हुआ है। ईरान के सभी प्रांतों में विरोध के स्वर तेज हैं। हिंसक प्रदर्शनों की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस बीच ईरान में जारी आंदोलन का एक नया चेहरा भी सामने आया है, जहां युवतियां खामेनेई की जलती हुई तस्वीरों से सिगरेट जलाती नजर आ रही हैं।

1979 की इस्लामी क्रांति के बाद सबसे बड़ा आंदोलन

इस्लामिक गणराज्य ईरान में खामेनेई की धार्मिक सरकार के खिलाफ लोगों में भारी रोष है। वहीं मौतों की संख्या बढ़ने के साथ ही विरोध प्रदर्शन और भी हिंसक होते जा रहे हैं। इस बीच देश में इंटरनेट और टेलीफोन सेवा पर पाबंदी लगाई जा चुकी है। ये विरोध प्रदर्शन दिसंबर के अंत में शुरू हुए और देश में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से चली आ रही धार्मिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो की 'अमर उजाला' स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है। तमाम वायरल हुए वीडियो में ईरानी महिलाओं को सर्वोच्च नेता की तस्वीरों को जलाकर सिगरेट जलाते हुए देखा जा सकता है। इसी के साथ तेहरान से सामने आए कुछ अपुष्ट वीडियो में कथित तौर पर महिलाओं को हिजाब जलाते हुए भी देखा गया है।

महंगाई से शुरू हुआ आंदोलन विद्रोह में तब्दील

तेहरान। ईरान में महंगाई से शुरू हुआ यह आंदोलन अब सरकार विरोधी विद्रोह का रूप ले चुका है। आखिर अब तक क्या-क्या हुआ, यह आंदोलन कहां से शुरू हुआ, कितने शहरों तक फैला और अमेरिका व सर्वोच्च नेता खामेनेई का इस पर क्या रुख है?

ईरान में पिछले कई दिनों से सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। देशभर में फैला यह आंदोलन हाल के वर्षों में इस्लामिक शासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। महंगाई से शुरू हुआ गुस्सा अब सीधे सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और पूरे शासन तंत्र के खिलाफ नारेबाजी में बदल चुका है।

सरकार ने हालात काबू में करने के लिए इंटरनेट और फोन सेवाएं फिलहाल बंद कर दी हैं, जिससे ईरान लगभग बाहरी दुनिया से कट गया है। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक, अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों को हिरासत में लिया गया है।

विरोध प्रदर्शन की शुरूआत कैसे हुई?

इन प्रदर्शनों की शुरूआत 28 दिसंबर को रियाल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद तेहरान के बाजारों से हुई, जहां व्यापारियों ने आसमान छूती महंगाई के खिलाफ दुकानें बंद कर प्रदर्शन शुरू किया। हालात तब और बिगड़े जब खाने के तेल, चिकन जैसी जरूरी चीजों की कीमतें रातोंरात बढ़ गईं और कई सामान बाजार से गायब हो गए। सरकार द्वारा सस्ती डॉलर व्यवस्था खत्म करने के फैसले ने आग में घी डालने का काम किया। अब तक ये प्रदर्शन सभी 31 प्रांतों में फैल चुका हैं। मानवाधिकार संगठन के मुताबिक, कम से कम 62 प्रदर्शनकारी मारे गए, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं।

कितना व्यापक है यह आंदोलन?

यह आंदोलन 2022 के ह्यवूमन, लाइफ, फ्रीडमह्ल आंदोलन के बाद सबसे बड़ा माना जा रहा है। अब तक 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन हो चुके हैं। पश्चिमी ईरान के कुर्द बहुल इलाकों में हालात सबसे ज्यादा तनावपूर्ण हैं। प्रदर्शनकारियों के नारे अब सीधे सत्ता के केंद्र पर हैं- 'खामेनेई मुदार्बाद', 'तानाशाह का नाश हो' और रजा पहलवी के नेतृत्व में राजशाही की वापसी जैसे नारे तेहरान, मशहद और अन्य प्रमुख शहरों में खुलेआम लगाए जा रहे हैं।

इस बार सबसे अहम बात यह है कि आंदोलन की शुरूआत बाजारी समुदाय से हुई, जो ऐतिहासिक रूप से इस्लामिक गणराज्य का समर्थक रहा है। ईरान में बाजारी और धार्मिक नेतृत्व के बीच पुराना गठबंधन रहा है।

शिकागो में टेस्ला मॉडल हादसा, ड्राइवर की तबीयत बिगड़ने के बाद कार में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। शिकागो में एक टेस्ला कार क्रैश हो गई और उसमें आग लग गई, जब उसे चला रहे शख्स के साथ एक मेडिकल इमरजेंसी हो गई। घटनास्थल की तस्वीरों में टेस्ला पूरी तरह जली हुई दिख रही थी, और इमरजेंसी बचाव दल क्षतिग्रस्त गाड़ी की ध्यान से जांच कर रहे थे।

शिकागो के पास नेपर्विल इलाके में शुक्रवार शाम एक गंभीर हादसा सामने आया, जब एक टेस्ला मॉडल दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की चपेट में आ गई। यह घटना शाम करीब 5 बजे रूट 59 पर हुई। बताया जा रहा है कि कार चला रहे व्यक्ति को अचानक मेडिकल इमरजेंसी हो गई, जिसके चलते वह वाहन पर नियंत्रण खो बैठा।

हादसे की वजह क्या थी?

स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, 37 वर्षीय व्यक्ति 2025 Tesla Model (2025 टेस्ला मॉडल) चला रहा था, तभी उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। पहले कार ने सड़क पर चल रहे एक अन्य वाहन को टक्कर मारी और फिर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। इसके बाद कार एक पेड़ से टकराई और तुरंत उसमें आग लग गई।

ड्राइवर को कैसे बचाया गया?

हादसे के वक्त मौके पर मौजूद एक ऑफ-ड्यूटी नेपर्विल पुलिस अधिकारी ने बिना देर किए कार्रवाई की। उन्होंने जलती हुई कार से ड्राइवर को बाहर निकाला और उसकी जान बचाई। इसके तुरंत बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और हालात को संभाला।

मौके से सामने आए वीडियो और तस्वीरों में टेस्ला पूरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दी। सड़क और आसपास के हिस्से में मलबा बिखरा हुआ था। कार से काला धुआं उठता दिखा, जबकि दमकलकर्मी आग बुझाने और वाहन को ठंडा करने में जुटे रहे। हेलिकॉप्टरों की मदद से भी इलाके की निगरानी की गई।

क्या टेस्ला में आग लगने के ऐसे मामले पहले भी सामने आए हैं?

यह पहला मामला नहीं है। सोशल मीडिया पर पहले भी टेस्ला वाहनों में आग लगने के वीडियो सामने आते रहे हैं। हाल ही में वायरल एक अन्य वीडियो में एक लाल टेस्ला कार चलते-चलते पीछे से आग पकड़ लेती है, जिसके बाद ड्राइवर तुरंत बाहर निकलकर सुरक्षित दूरी बना लेता है।

ईवी में आग बुझाने के लिए कौन-सी तकनीक इस्तेमाल हुई

फायर ब्रिगेड ने इलेक्ट्रिक वाहन की बैटरी में लगी आग को काबू में करने के लिए एक विशेष उपकरण का इस्तेमाल किया, जिसे 'पोसाइडन नोजल' कहा जाता है। यह उपकरण खासतौर पर ईवी बैटरी में आग लगने की स्थिति में ठंडा करने और आग बुझाने के लिए बनाया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस तकनीक से बैटरी को सुरक्षित तरीके से ठंडा करना संभव होता है।

ड्राइवर की हालत और जांच का क्या अपडेट है?

फिलहाल ड्राइवर की चोटों को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही हादसे से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

67 वर्षीय फलस्तीनी पिटाई के बाद अधमरा, PM नेतन्याहू ने नकाबपोश हमलावरों को चरमपंथी बताया

वेस्ट बैंक के दीर शरफ गांव में नकाबपोश हमलावरों ने एक पौधशाला पर हमला कर 67 वर्षीय फलस्तीनी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना इलाके में बढ़ती बस्ती हिंसा की ताजा मिसाल है, जिस पर इस्राइल सरकार और मानवाधिकार संगठनों के बीच अलग-अलग राय सामने आई है।

नई दिल्ली। कब्जे वाले वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों से जुड़ी हिंसा की एक और घटना सामने आई है। उत्तरी वेस्ट बैंक के दीर शरफ गांव में स्थित एक पौधशाला पर दर्जनों नकाबपोश लोगों ने हमला कर एक फलस्तीनी नागरिक की बेरहमी से पिटाई कर दी।

घटना के प्रत्यक्षदर्शियों और सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, काले कपड़ों में, चेहरे ढके हुए हमलावर लाठियों से लैस थे। वीडियो में देखा जा सकता है कि कई हमलावर जमीन पर गिरे एक व्यक्ति को लात-घूंसों और डंडों से पीट रहे हैं।

परिवार ने बताई आपबीती

पौधशाला के मालिक परिवार के दो सदस्यों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हमलावरों ने 67 वर्षीय बासिम सालेह यासीन पर उस समय हमला किया, जब वे जान बचाकर भागने की कोशिश कर रहे थे। यासीन बधिर हैं और चेतावनी नहीं सुन पाने के कारण पीछे रह गए।

परिवार के अनुसार, यासीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके हाथ की हड्डियां टूट गई हैं और चेहरे, सीने व पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। हमले के दौरान पौधशाला में खड़ी चार कारों को आग लगा दी गई, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो गईं।

यह हमला वेस्ट बैंक में बढ़ती बस्ती हिंसा की ताजा कड़ी है। अक्तूबर और नवंबर में जैतून की फसल के मौसम के दौरान ऐसे हमलों में तेजी आई थी, जो अब भी जारी है।

इस्राइली प्रधानमंत्री ने घटना पर क्या कहा?

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले ऐसी घटनाओं को कुछ गिने-चुने चरमपंथियों की करतूत बताया है और कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। हालांकि मानवाधिकार संगठनों और फलस्तीनियों का कहना है कि हिंसा अब रोजमर्रा की घटना बन चुकी है और इसे कुछ लोगों तक सीमित नहीं किया जा सकता।

इस्राइल की सेना ने इस घटना पर खबर लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी। पौधशाला के मालिकों के अनुसार, बीते एक साल में यह तीसरी बार है जब उनके प्रतिष्ठान पर हमला हुआ है। सितंबर में हुए पिछले हमले में कारोबार को करीब 6 लाख डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ था।

'हम अमेरिकी नहीं बनेंगे', ग्रीनलैंड के पांच सियासी दलों की ट्रंप को दो टूक; डेनमार्क को भी सुनाया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया रवैय पर ग्रीनलैंड की संसद में सभी पांच राजनीतिक दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। एक संयुक्त बयान जारी करते हुए ट्रंप को दो टूक जवाब दिया है। साथ ही अमेरिका के नियंत्रण में लेने की धमकियों को कड़े शब्दों में खारिज किया है।

ग्रीनलैंड। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर धमकी भरा लहजा अपनाया हुआ है। इतना ही नहीं अमेरिकी नेता भी ग्रीनलैंड पर नियंत्रण को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। इस बीच ग्रीनलैंड की संसद के सभी पांच प्रमुख राजनीतिक दलों ने संयुक्त बयान जारी कर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को दो टूक जवाब दिया है। राजनीतिक दलों ने ट्रंप की ग्रीनलैंड को अमेरिका के नियंत्रण में लेने की धमकियों को कड़े शब्दों में खारिज किया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि ग्रीनलैंड 'अमेरिकन नहीं होगा' और उसका भविष्य सिर्फ ग्रीनलैंड के लोगों की तरफ से तय किया जाना चाहिए।

बयान में पांचों दलों, जिसमें प्रधानमंत्री जेन्स फ्रेडरिक नीलसन सहित विपक्षी दल नालेराक के नेता भी शामिल हैं, उन्होंने कहा कि वे किसी भी अमेरिकी अधिग्रहण के गंभीर रूप से असम्मानजनक रुख के खिलाफ हैं। देर रात जारी बयान में नेताओं ने साफ कहा कि हम अमेरिकी नहीं होंगे, हम डेनिश नहीं होंगे, हम ग्रीनलैंडवासी हैं। सभी दलों की यह एकता विशेष रूप से इसलिए अहम है, क्योंकि इसमें विपक्षी पार्टी नालेराक के नेता पेले ब्रोबर्ग भी शामिल हैं, जो वाशिंगटन के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए सबसे अधिक इच्छुक रही हैं।

बता दें कि कुछ ही दिन पहले ब्रोबर्ग ने ग्रीनलैंड से डेनमार्क को दरकिनार करते हुए सीधे अमेरिका के साथ बातचीत करने का आह्वान किया था। अब बयान में इस बात पर जोर दिया गया है कि ग्रीनलैंड का भविष्य खुद ग्रीनलैंड के लोगों द्वारा तय किया जाना चाहिए, अंतर्राष्ट्रीय कानून और आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान होना चाहिए।

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले सप्ताह वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य अभियान के बाद अपनी बयानबाजी को और तेज कर दिया है। हाल ही में न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने साफ कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी स्वामित्व सफलता के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से जरूरी है। इसी के साथ उन्होंने सैन्य बल के प्रयोग की संभावना से इनकार नहीं किया।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈویلپمنٹ اتھارٹی

पूर्व मेयर स्वर्गीय दमयंती गोयल की जन्म जयंती पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद की प्रथम महिला मेयर स्वर्गीय दमयंती गोयल की जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। पूर्व मेयर स्वर्गीय दयमंती गोयल को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए राजनीति और समाजसेवा के गणमान्य लोग पहुंचे। सभी ने गाजियाबाद की प्रथम महिला महापौर स्वर्गीय दमयंती गोयल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे वक्ताओं ने स्वर्गीय दमयंती गोयल को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनसे जुड़े संस्मरणों को साझा किया। सभी ने एक स्वर से कहा कि वह एक ऐसी महिला थीं जिनका पूरा जीवन आदर्श, कर्मठता और सेवा भाव के लिए जाना जायेगा।

लोनी में दमकल विभाग की तत्परता से टला बड़ा अग्निकांड, लाखों का माल स्वाहा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया सेक्टर ए-1 स्थित जींस निर्माण फैक्ट्री सोनम कलेक्शन में शनिवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही लोनी फायर स्टेशन से तीन फायर टेंडर मौके पर पहुंचे और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। समय रहते कार्रवाई से आग फैक्ट्री की मुख्य इमारत में नहीं फैल सकी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग में लाखों रुपये का कच्चा व तैयार जींस का माल जलकर राख हो गया। फायर विभाग के अनुसार आग सुबह 07:57 बजे लगी थी। आग भवन के ग्राउंड फ्लोर पर टीन शेड वाले हिस्से में रखे माल में लगी थी। मौके पर पहुंचे जवानों ने दो हौज पाईप लगाकर पंपिंग शुरू की और अतिरिक्त सहायता हेतु साहिबाबाद फायर स्टेशन को भी अलर्ट किया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने जानकारी दी कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण जेनरेटर के पास इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट प्रतीत होता है, जिसे कुछ मिनट पहले ही स्टार्ट किया गया था। उन्होंने बताया कि विभाग की सक्रियता से आग सीमित क्षेत्र में ही नियंत्रित हो गई और किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई। अग्निशमन कार्य के दौरान स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। आग पूरी तरह बुझाने के बाद फैक्ट्री प्रबंधन को सुरक्षा संबंधी आवश्यक सुझाव दिए गए।

भारत रत्नअटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में 'समाधान शक्ति' ने बांटे 635 कंबल

खिलाड़ियों और वरिष्ठजनों का हुआ भव्य सम्मान

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा सेक्टर 15 स्थित साईं मंदिर में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति एवं सुशासन दिवस के पावन अवसर पर समाधान शक्ति सामाजिक संस्था द्वारा एक भव्य सेवा और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज सेवा और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया गया।

कड़ाके की ठंड को देखते हुए लगभग 635 जरूरतमंद महिलाओं और बालिकाओं को कंबलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मंत्री एवं दिल्ली सह-प्रभारी डॉ. अल्का गुर्जर, गौरव खारी भी उपस्थित रहे। संचालन एवं अध्यक्षताः मंच का संचालन निवर्तमान मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा द्वारा की गई। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और संवेदना पहुँचाना ही सच्चा जनकल्याण है।

डॉ. अल्का गुर्जर ने प्रतिभाओं और अनुभवों का सम्मान किया। संस्था द्वारा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों और समाज के मार्गदर्शक वरिष्ठ नागरिकों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। जिनमें खिलाड़ी लक्ष्य फोगाट, नंदिनी, वृत मलिक, अर्जुन मलिक, अर्जुन चौधरी, अमित, फरमान, विकास भाटी, प्रगति मौर्य और कार्तिक, वरिष्ठ नागरिक एम.एम. भाटिया, आनंद शर्मा, बलराम त्यागी, दिनेश टंडन, आर.के. कश्यप, आर.पी. सिंह, पी.एस. खट्टर, नरेश भंडारी मौजूद रहे। महामंत्री पप्पू पहलवान ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए संकल्प लिया कि संस्था भविष्य में भी खेल प्रोत्साहन और समाज सेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखेगी। कार्यक्रम में प्रतीक माथुर, डी.एन. कॉल, गौरव भाटिया, बबीता मित्तल, और निशा चौहान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

बर्थडे सेलीब्रेशन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भारत विकास परिषद नोएडा के अध्यक्ष और उद्योगपति देवेन्द्र गंगल का जन्मदिन उनके साथियों ने धूमधाम से मनाया। सभी ने देवेन्द्र गंगल को जन्मदिन पर लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और यशस्वी जीवन की कामनाओं के साथ बधाई दी। इस अवसर पर नोएडा के पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता, विपिन मल्हान, सुनील सेठ, दीपक गौतम, कुलदीप गुप्ता, राजेश गुप्ता आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। भारत विकास परिषद नोएडा के अध्यक्ष देवेन्द्र गंगल ने शुभकामनाएं और बधाई देने वाले सभी गणमान्य लोगों का अभार व्यक्त किया।

मेडिकल स्टोर में लगी आग, लाखों की दवाएं जलकर राख

मोदीनगर, करंट क्राइम। मेडिकल स्टोर में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग लगने से स्टोर में रखी लाखों की दवाऐं जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंची मोदीनगर अग्निशमन विभाग की टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया। भोजपुर में अंकित मैडीकल स्टोर में शनिवार की सुबह अचानक आग लग गई। ग्रामीणों ने बंद मैडीकल स्टोर के शटर से जब धुआं निकलते देखा तो इसकी सूचना तुरंत मोदीनगर अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलने पर पंहुचे अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों की पुलिस जांच कर रही है। अनुमान है कि आग की चपेट में आने से लाखों की दवायें जलकर राख हो गई है। आग लगने के कारणों को कोई सुराग नही लगा है।